हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 3 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

8 नागरिक अस्पताल आखिर कब होगा बंदरों के उत्पात से मुक्त

8 फायर सेफ्टी को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन

सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए कृत संकल्प होकर कार्य कर रही : मंत्री कृष्ण कुमार बेदी

जींद के किसानों को 16 करोड़ और कैथल के 97 हजार 320 पात्रों को मिले 20.88 करोड़ रुपये

20वीं किश्त जारी, धरती पुत्रों को मिली धनराशी

सीएम के नेतृत्व में 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने वाला हरियाणा देश में अकेला राज्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए कृत संकल्प होकर कार्य कर रही है। आज के परिवेश में किसान पैदावार के साथ मार्केटिंग की और बढ़े और खेती की नवीनतम तकनीकों को अपनाएं। प्रदेश में किसानों को बिजली, पानी, खाद आदि की दिक्कत नहीं आने दी जा रही है। किसानों के खातों में बिना किसी कट कमीशन और बिचौलियों के फसल का सीधा पैसा जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश पहला ऐसा राज्य है, जो किसानों की 24 फसलों का एमएसपी पर खरीदने का कार्य कर रहा है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार को हमेटी में आयोजित प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना के तहत 20वीं किश्त किसानों के खातों में जारी होने के उपलक्ष में आयोजित जिलास्तरीय किसान सम्मान समारोह में बतौर मुख्यअतिथि बोल रहे थे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के बनारस से देशभर के किसानों के खातों में प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना की 20वीं किश्त जारी की। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आज जिला के किसानों के

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री कृष्ण बेदी। फोटो :हरिभूमि

खाते में करीब 16 करोड़ रुपये की धनराशि डाली गई है। किसान सम्मान निधि के तहत पौने चार लाख करोड़ तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पौने दो लाख करोड़ रुपये केन्द्र सरकार द्वारा किसानों के खातों में भेजे गए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत 2019 में की गई थी। तब विपक्षी नेताओं ने इसको लेकर सरकार का बहुत मजाक किया था कि केंद्र सरकार इतना पैसा कहां से लाएगी और यह योजना 2019 के चुनाव के बाद बंद हो जाएगी लेकिन नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के उस मजाक को संकल्प के साथ पूरा किया और अब तक उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार नॉन स्टॉप 20वीं किस्त किसानों के खातों में जारी कर चुकी है। उन्होंने कहा कि किसान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम उठाते हुए पराली प्रबंधन करें। क्योंकि पराली जलाने की नही पैसा कमाने की चीज है। किसान मजबूत होगा तो प्रदेश एवं देश मजबूत होगा। पूर्व की सरकारों में किसान व्यापारियों के कर्ज के तले दबा होता था। प्रदेश सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन की आज सरकार किसानों के एक-एक दाने की खरीद एमएसपी पर करती है और 72 घंटे में उसकी फसल का पैसा उसके खाते में भेजने का कार्य कर रही है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि किसानों के हितों के अनेकों योजनाएं लागू की गई है, जिनका किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। किसानों को खेती के लिए संसाधन मुहैया करवाए जा रहे हैं। प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन का परिणाम है कि युवाओं को बिना-पर्ची बिना खर्ची योग्यता के आधार पर रोजगार मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच से किसानों को आत्मबल मिला और उनका विश्वास बढ़ा है। किसान देश का ताज है। किसानों को चाहिए कि कृषि के साथ-साथ अन्य वैकल्पिक व्यापार भी करें ताकि उन्हें अतिरिक्त आमदनी हो सके। उन्होंने सभी किसानों से आह्वान किया कि प्रदूषण से वर्तमान पीढ़ी को बचाने के लिए सभी कार्य करें।

ये रहे मौजूद

डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से किसानों के साथ है। हरियाणा का कल्चर एग्रीकल्चर है। जिला में पराली प्रबंधन की दिशा में किसानों ने सकारात्मक सहयोग दिया जिसके कारण पराली जलाने की घटनाओं में पचास प्रतिशत की कमी आई। इसमें और सुधार प्रशासन और किसान मिलकर करें ताकि जींद जिला जीरो बर्निंग के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। किसान देश की रीढ़ हैं, जो पूरे देश को अन्न पैदा करके देता है। खेती किसान की है किसानों को चाहिए कि वर्तमान परिवेश के अनुरूप खेती बाड़ी का कार्य करें। इस मौके पर कृषि विभाग के उपनिदेशक डा. गिरीश नागपाल, गौरव भारद्वाज, डा. राज सैनी, भारतभूषण टांक, सत्यवान बेदी, सतीश कुमार, कर्मबीर सहित अन्य अधिकारी व किसान मौजूद रहे।

कैथल। भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी लघु सचिवालय में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना कार्यक्रम देखते। फोटो :हरिभूमि

किसानों को बिना किसी बिचौलिये के सीधा लाभ मिल रहा: जिलाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कैथल

भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में एक समान विकास कार्य करवाकर पात्र व्यक्तियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। चाहे केंद्र की सरकार हो या प्रदेश की, किसानों के हित में दोनों सरकारों द्वारा अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनका किसानों को बिना किसी बिचौलिये के सीधा लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 20वीं किस्त के रूप में प्रधानमंत्री ने देश भर के किसानों के खातों में किसान सम्मान राशि भेजी है। कैथल में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 97 हजार 320 पात्र किसानों के खातों में 20 करोड़ 88 लाख 64 हजार रुपये की धनराशि सीधे खातों में भेजी है। भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति लघु सचिवालय स्थित सभागार में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम के दौरान किसानों को संबोधित कर रही थी। इससे पहले उन्होंने एडीसी दीपक बाबू लाल करवा, डीडीए डा. बाबू लाल व अन्य अधिकारियों के अलावा जिले भर के किसानों के साथ वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण कार्यक्रम को देखा व सुना।

खबर संक्षेप

पिस्तौल व जिंदा कारतूस के साथ एक पकड़ा, केस

जींद। सीआईए स्टाफ ने युवक को काबू कर उसके कब्जे से एक पिस्तौल तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। सदर थाना पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि गांव झांज कलां के निकट युवक अवैध असलहा के साथ खड़ा है। जो कहीं जाने की फिराक में है। सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते युवक को काबू कर लिया।

तीन ग्राम हेरोइन सहित आरोपित गिरफ्तार

कैथल। नशा मुक्त जिला मुहिम तहत चौकी रामथली पुलिस द्वारा खरका से एक नशा तस्कर को 3 ग्राम हेरोइन सहित किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि चौकी रामथली पुलिस के पीएसआई पंकज कुमार की टीम शाम के समय सागरां रोड खरका पर व्हीकलों की चैकिंग कर रही थी।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो घायल

जींद। सफीदों के पानीपत रोड पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति तथा महिला घायल हो गए। दोनों को पहले सफीदों के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां से उनकी गंभीर हालात देख पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव धर्मगढ़ पानीपत निवासी नरेश तथा एक महिला बाइक पर सवार होकर सफीदों की तरफ आ रहे थे। सफीदों मे निजी स्कूल के निकट ट्रक ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी।

महिला को गलत इशारा करने के आरोप में केस

कैथल। चीका थाना पुलिस ने एक महिला की तरफ गलत इशारे करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में तीन व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव भागल की एक महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 24 जुलाई को जब वह गांव से जा रही थी तो गांव के ही दर्शन, प्रेम और जसवीर ने उसकी तरफ गंदे इशारे किए।

राहगीर पर अज्ञात युवकों ने हमला कर किया घायल

जींद। नरवाना के कैनाल रोड पर तीन अज्ञात युवकों ने एक व्यक्ति पर हमला कर घायल कर दिया। शहर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हरीनगर नगर निवासी रणसिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कार्यवश कैनाल रोड से जा रहा था। उसी दौरान तीन अज्ञात युवकों ने उस पर हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गया।

युवक की हत्या करने के मामले में आरोपी दबोचा

कैथल। थेह मुकेरिया में युवक की हत्या के मामले की जांच थाना गुहला एसएचओ इंस्पेक्टर सुनील की टीम द्वारा करते आरोपी निर्मल सिंह को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की थेह मुकेरिया निवासी अशोक की शिकायत अनुसार उसके 18 वर्षीय पुत्र जयमल की उनके पड़ोस में रहने वाली एक युवती से बातचीत होती थी।

19.600 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कैथल

एंटी नारकोटिक सैल द्वारा थाना शहर क्षेत्र से बुलेट बाइक पर नशा तस्करी कर रहे एक आरोपी को काबू कर लिया गया। जिसके कब्जे से 19 किलो 600 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी एस आई राजबीर सिंह की टीम रात्रिकालीन गश्त दौरान जींद बाईपास रोड कैथल पर मौजूद थी। जहां पुलिस टीम को सूचना मिली कि गांव प्रभुवाला निवासी सोनु जींद रोड़ कैथल पर नींबू का बाग किराए पर लिए हुए है, बाग के आड में काफी समय से वह डोडा पोस्त बेचने का धंधा करता है। जो अभी डोडा पोस्त बेचने के लिए अपनी बुलेट बाइक पर कैथल की तरफ जाने वाला है, जिसे नाकाबंदी करके काबू किया जा सकता है। सूचना विश्वसनीय होने के कारण पुलिस टीम द्वारा नई अनाज मंडी जींद रोड कैथल के पास नाका बंदी शुरु की गई। जो कुछ देर बाद कैथल की तरफ बुलेट बाइक की टंकी पर एक प्लास्टिक कट्टा लिए आ रहे संदिग्ध द्वारा पुलिस को देखकर बाइक को वापिस मोडने का प्रयास किया गया। सतर्क पुलिस द्वारा बुलेट बाइक सहित चालक जिला हिसार के गांव प्रभुवाला निवासी सोनू को काबू कर लिया गया।

अधिवक्ता को धमकी देने वाला दबोचा

जींद। अधिवक्ता विनोद बंसल को परिवार सहित जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी को 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान कैथल जिले के देवबन और हाल आबाद हिसार निवासी प्रवीन के रूप में हुई है। आरोपित एडवोकेट के भाई की हत्या के मामले में जेल में बंद प्रदीप गट्टा का छोटा भाई है। उसने अधिवक्ता को कॉल इसलिए की थी कि अधिवक्ता डर जाए और वो उनसे संबंधित केसों की पैरवी न करे। डीएसपी संजय कुमार ने बताया कि गौरतलब है कि 30 जुलाई को सिविल लाइन थाना पुलिस को दी शिकायत में एडवोकेट विनोद बंसल ने बताया था कि वह 30 जुलाई को सुबह अपने चेंबर में मौजूद थे। तभी उसके मोबाइल पर एक कॉल आई और ट्रू कॉलर पर कॉलर का नाम प्रदीप लिखा आया था। उसने कॉल अटेंड की तो कॉल करने वाले ने उसे गंदी गलियां देते हुए धमकी दी कि 10 दिन के अंदर तुझे और तेरे परिवार को भी तेरे भाई की तरह ही गोलियां मार कर खत्म कर दिया जाएगा। इसके बाद 11 बजकर 22 मिनट पर उसी नंबर से कॉल आई और फिर से गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी और अपना नाम प्रदीप गट्टा बताया और कहा कि तेरे भाई को भी उसने और बलजीत पोंकरीखेड़ी ने मारा था और अब तेरा और तेरे परिवार का नंबर है। इसके बाद एक बजकर 10 मिनट पर भी कॉल करके धमकी दी।

आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग

जींद। जयंती देवी मदिर के निकट तीन दिन पहले हांसी ब्रांच नहर में संदिग्ध हालात में डूबे युवक की मौत पर परिजनों ने संदेह जताया है। पुलिस ने कुछ लोगों के खिलाफ आरोप लगाते उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है। कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नही होती वे मृतक का पोस्टमार्टम नही करवाएंगे और शव भी नही लेंगे। परिजनो के बिफरने की सूचना पाकर शहर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और मृतक के शव का पोस्टमार्टम बोर्ड से करवाने तथा रिपोर्ट के आधार आगामी कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को राउंडअप भी किया है। बाद में परिजन शव उठाने को राजी हुए और पुलिस ने भी राहत की सांस ली। विश्वकर्मा कालोनी निवासी मोहित (26) को गत 30 जुलाई देर रात को मोहल्ले के ही रामबिलास ने फोन कर घर से बुलाया था। जिसके बाद वह घर वापस नही लौटा। 31 जुलाई को रामबिलास ने परिजनों को बताया कि मोहित हांसी ब्रांच नहर में डूब गया है। दो दिन चले नहर में सर्च अभियान के शुक्रवार शाम को मोहित का शव नहर से बरामद हो गया था। हालांकि पुलिस ने मोहित के परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया था। मृतक के परिजनों ने कहा कि अगर मोहित डूबा है तो वहां मौजूद आरोपितों ने बचाया क्यों नही। तुरंत फोन कर या शोर मचा कर लोगों की सहायता लेनी चाहिए थी।

आईटीआई में तीन मेरिट लिस्ट के बाद भी सीटें रिक्त

- चौथी मेरिट लिस्ट में नाम आने वालों की दस्तावेजों की जांच चार से आठ तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

आईटीआई में तीन मेरिट लिस्ट लग चुकी हैं। बावजूद इसकेसीटें रिक्त हैं। इसके लिए अब चार अगस्त को चौथी मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। जिन विद्यार्थियों का नाम चौथी मेरिट लिस्ट में आएगा, उनके दस्तावेजों की जांच चार जुलाई से लेकर आठ जुलाई तक दस्तावेजों की जांच होगी और नौ जुलाई तक विद्यार्थी फीस जमा करवा सकेंगे। कैथल रोड स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में अब तक संस्थान में 944 सीटों पर 576

जींद। दाखिला प्रक्रिया में लगे आईटीआई कर्मी। फोटो :हरिभूमि

विद्यार्थियों ने अपनी दाखिला प्रक्रिया को पूर्ण कर लिया है। अभी भी आईटीआई में 368 सीट खाली बची हुई हैं। संस्थान के प्राचार्य नरेश कुमार ने बताया कि जो सीट अभी रिक्त हैं, उनके लिए चार अगस्त को चौथी मेरिट सूची जारी की जाएगी। विद्यार्थियों को एसएमएस और टेलीफोन कॉल के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से भी सूचित किया जा रहा है ताकि वे समय से प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर सकें। दाखिले की प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए संस्थान द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। परिसर में एक विशेष हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है, जहां प्रशिक्षित स्टाफ विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहा है। यहां विद्यार्थियों को आवश्यक दस्तावेज, फीस भुगतान प्रक्रिया और अन्य प्रवेश संबंधी दिशा निर्देशों की जानकारी दी जा रही है। संस्थान प्रशासन ने सभी अभिभावकों और विद्यार्थियों से अपील की है कि वे दाखिले की प्रक्रिया को गंभीरता से लें और सभी निर्धारित शेड्यूल के अनुसार आवश्यक कार्रवाई पूरी करें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि देरी से आवेदन या दस्तावेज अधूरे रहने की स्थिति में विद्यार्थी चयन सूची से बाहर हो सकते हैं।

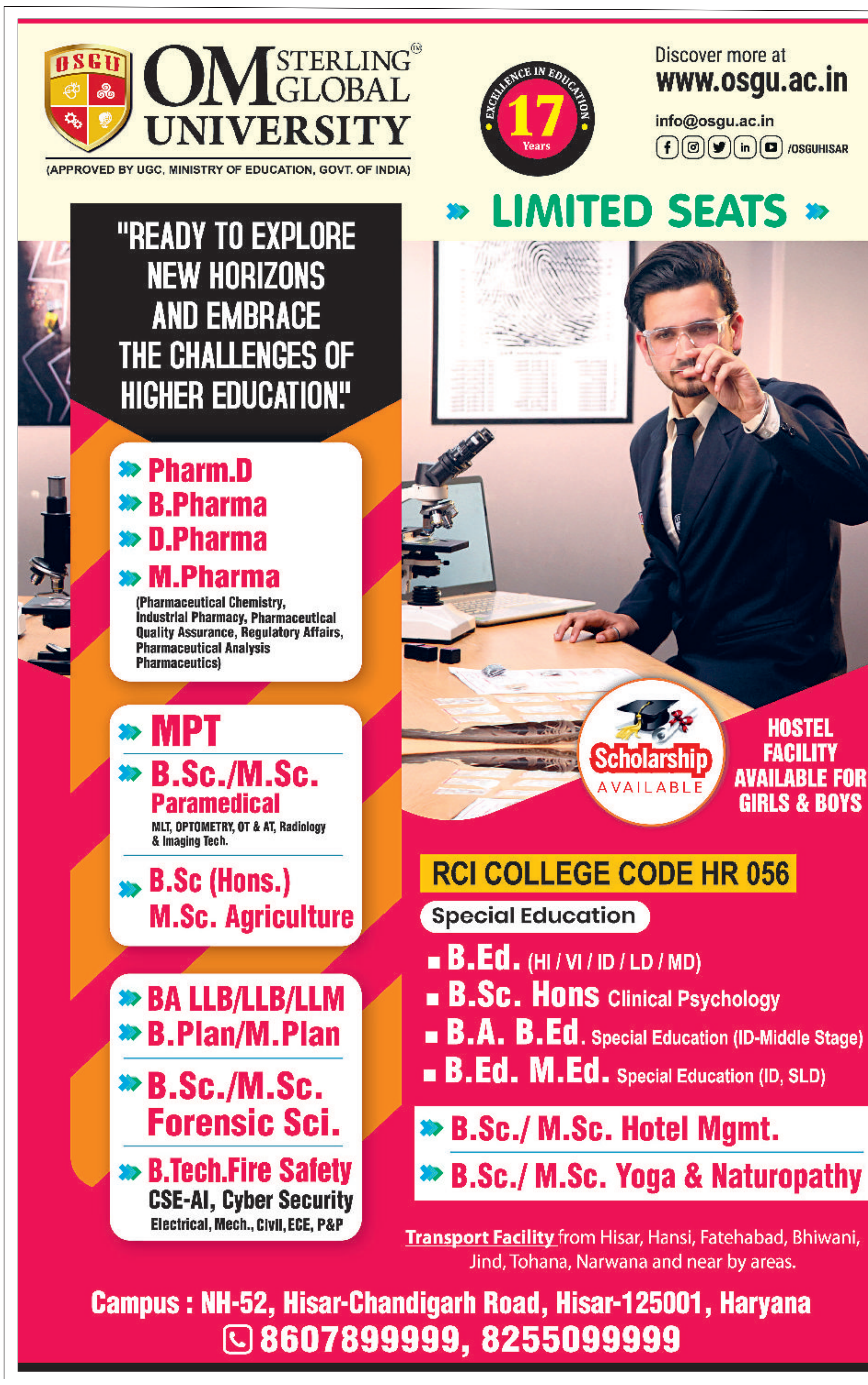

खबर संक्षेप

ट्रक चालक ने मारी बाइक को टक्कर

जींद। सफीदों स्थित निजी स्कूल के निकट बाइक सवार महिला व पुरुष को ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही महिला ट्रक के नीचे आ गई और ड्राइवर महिला को दूर तक घसीटते हुए ले गया। हादसे की घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। घायल महिला व पुरुष को अस्पताल में उपचार के लिए दाखिल करवाया गया है।

प्रदेश में मनाया जाएगा हर घर तिरंगा अभियान

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में दो अगस्त से 15 अगस्त तक पूरे प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान भव्य रूप से मनाया जा रहा है जिसे तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला चरण दो से आठ अगस्त, दूसरा चरण आठ से 12 अगस्त तथा तीसरा चरण 12 से 15 अगस्त तक आयोजित होगा। पुलिसकर्मियों को पत्र लेखन तथा तिरंगे रंगों से इमारतों की सजावट जैसी नवाचारात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

तमन्ना, चाहत, जन्नत रिया प्रतियोगिता में प्रथम

उचाना। गीता विद्या मंदिर स्कूल उचाना मंडी में फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता आयोजित हुई। अध्यक्षता प्रधान सुरेंद्र जैन ने की। तीसरी कक्षा में वंशिका प्रथम, चौथी कक्षा में जैंसी, पलक, पांचवी कक्षा में मन्नत, नैना, मुक्ति, प्रवेश, खुशी, छठी कक्षा में अंजली, दिव्या, अन्नू, अनशिका, भारत, दसवीं कक्षा में तमन्ना, चाहत, जन्नत, रिया, छठी कक्षा के छात्र मंयक, निखिल प्रथम रहे।

सेवा सदन में रक्तदान कैंप का आयोजन आज

जींद। शहर की सामाजिक संस्था सृष्टि फाउंडेशन द्वारा रविवार को सेवा सदन में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सृष्टि संयोजक डा. विवेक सिंगला ने बताया कि रक्तदान शिविर सुबह दस बजे शुरू होगा। संस्था द्वारा समय-समय पर जरूरतमंदों के लिए रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है ताकि रक्त की कमी से किसी की जान न जाए।

विधायक जनसेवा के रूप में कर रहे कार्यः भौंगरा

उचाना। युवा भाजपा नेता प्रदीप भौंगरा ने कहा कि विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री जन सेवक के रूप में कार्य कर रहे है। आज विधायक की नेकदिली के चर्चे उचाना हलके में ही नहीं बल्कि प्रदेश भर में है। हर किसी के सुखए दुख के साथी बन कर वो कार्य कर रहे है। ऐसा विधायक आज तक उचाना को नहीं मिला था जो निरंतर लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुन समाधान करता हो।

कार सवारों ने किया युवक का अपहरण

जींद। गांव निडानी से रास्ता पूछने के बहाने कार सवार लोगों ने एक युवक का अपहरण कर लिया। उसके भाई की कॉल भी आई लेकिन पीछे अन्य आवाज भी आ रही थी। सदर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। गांव निडानी निवासी अनीष ने पुलिस को शिकायत दी है।

गुलशन सिवाहा बने प्रदेशाध्यक्ष

जींद। गांव सिवाहा के गुलशन हरियाणा सिंचाई विभाग अनुसचिवीय एसो.के प्रदेशाध्यक्ष चुने हैं। चुनाव सेक्टर 5 पंचकूला स्थित विभागीय मुख्यालय में हुए। यह चुनाव अधीक्षक राजपाल शर्मा, अधीक्षक अनिल महाजन, उपअधीक्षक सुनीता सिंह, सहायक कुलदीप कौशिकए कुलदीप ढांडा, पवन शर्मा के नेतृत्व में हुआ।

सनातन धर्म मंदिर में भागवत कथा जारी

नरवाना। श्री सनातन धर्म मंदिर के प्रांगण में 28 जुलाई से अग्रवाल धर्मशाला समिति पतराम नगर के सौजन्य से परम श्रद्धेह मुकंद हरी महाराज के द्वारा भागवत कथा चल रही है शनिवार को कथा के दौरान शहर के समाज सेवी प्रोफ़ेसर रमेश एवं साई परिवार के सदस्यों को महाराज मुकंद हरी ने मंच पर बुलाकर एवं समृति चिन्ह एवं पटका पहना कर सम्मानित किया।

अस्पताल में आने वाले लोग हर दिन हो रहे शिकार

नागरिक अस्पताल आखिर कब होगा बंदरों के उत्पात से मुक्त

स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ 2020 से लगातार नप को लिख रहा पत्र, 38वां रिमाइंडर भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल बंदरों के आतंक से मुक्त नही हो पा रहा है। स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ द्वारा वर्ष 2020 से लगातार नगर परिषद जींद व डीसी को पत्र भेज कर बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की बात कही जा रही है लेकिन अस्पताल बंदरों के आतंक से मुक्त नही हो पा रहा है। जिस पर संघ द्वारा उपायुक्त के संज्ञान में मामला लाया गया है। अबतक स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ कुल 38 रिमाइंडर भेज चुका है लेकिन लेकिन समस्या ज्यों की त्यों है। स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ के प्रधान राममेहर वर्मा ने उपायुक्त को दी शिकायत में बताया कि संघ द्वारा वर्ष 2020 से लगातार नगर परिषद को पत्र लिखे जा रहे हैं कि अस्पताल में बंदरों का आतंक है और आए दिन बंदर किसी न किसी को काट रहे हैं।

इसके अलावा कार्यालयों के अंदर पहुंच कर भी नुकसान पहुंचा रहे हैं लेकिन इस समस्या पर कोई संज्ञान नही लिया गया है। अस्पताल परिसर में बंदरों की संख्या इतनी है कि इन्हें भगाना भी नामुमकिन है। झुंड के झुंड बंदरों के नागरिक अस्पताल में हर समय बैठे देखे जा सकते हैं। इसके अलावा अस्पताल में आने वाले मरीजों को भी बंदर काटने से चूकते नही है। जिसके कारण नागरिक अस्पताल में आने वाले मरीजों के साथ-साथ चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। आए दिन ये बंदर किसी न किसी व्यक्ति पर हमला करके उसको घायल कर रहे हैं। कई बार तो बंदर नागरिक अस्पताल में दाखिल मरीजों के बिस्तर पर पहुंच कर मरीज को घायल कर चुके हैं और अनेक बार कमरों में घुस कर कंपयूटर सहित नागरिक अस्पताल के रिकार्ड को नष्ट भी कर चुके हैं। इस समस्या के समाधान हेतू कई बार नगर परिषद के अधिकारियों को गुहार लगाई जा चुकी है परंतु अभीतक कोई समाधान नही हुआ है। संघ नेता राममेहर वर्मा ने बताया कि उपायुक्त इस मामले में स्व संज्ञान लेते हुए नप अधिकारियों को आदेश दें कि अस्पताल में स्पेशल तौर पर बंदर पकड़ो अभियान चलाया जाए ताकि नागरिक अस्पताल में कार्य करने वाने चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी व आमजन अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सकें।

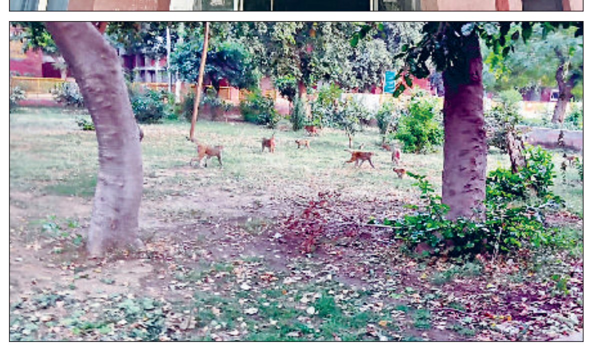

जींद। नागरिक अस्पताल में मौजूद बंदरों का झुंड। फोटो :हरिभूमि

24 मार्च के बाद फिर नही आई बंदर पकड़ने वाली टीम

बार-बार गुहार लगाए जाने के बाद गत 24 मार्च को बंदर पकडने वाली टीम नागरिक अस्पताल आई थी। यहां 15 से 20 बंदर पकड़े गए। टीम सदस्य मनोज ने फिर से आने की बात कही थी लेकिन आजतक भी टीम दोबारा बंदर पकडने के लिए नही आई है। इस साल 23 फरवरी 2025 को 14 बंदर, तीन मार्च को आठ बंदर, पांच मार्च को चार बंदर नागरिक अस्पताल से पकड़े गए हैं।

मच्छरजनित बीमारियों के प्रति किया जागरूक

- दूर रखनी है यदि मलेरिया व डेंगू की बीमारी तो निभानी होगी सभी को अपनी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामराय के तहत रामराय खेड़ा व रामगढ़ गांव में स्वास्थ्य सुपरवाइजर जगदीश की अगुवाई में स्वास्थ्यकर्मियों की टीम द्वारा रैपिड फीवर मास सर्वे किया गया। इस दौरान डेंगू, मलेरिया बुखार के कारण, लक्षण व बचाव के तरीके बताए गए। स्वास्थ्य सुपरवाइजर जगदीश कुमार ने जागरूक करते हुए बताया कि बरसात के मौसम में मलेरिया व डेंगू बुखार फैलने का खतरा बढ़ जाता है। डेंगू से बचाव एवं रोकथाम के लिए कुछ उपाय कर डेंगू से बचा जा सकता है। उन्होंने रोग के कुछ मुख्य लक्षण बताते हुए कहा कि अकस्मात तेज ज्वर, सिरदर्द, आंख में दर्द, मांसपेशियों में दर्द तथा कमर में दर्द। इय लक्षण के समस्त रोगियों को संभावित डेंगू बुखार का रोगी मानना चाहिए। यह मादा एडीज एजिप्टी मच्छर द्वारा अस्वस्थ व्यक्ति से स्वस्थ व्यक्ति तक फैलता है। एडीज मच्छर थोड़े से साफ पानी में पैदा होता है। स्वास्थ्य कर्मियों ने बचाव के तरीके बताते हुए कहा कि घर में कूलर, बाल्टी, घड़े के पानी को सप्ताह में एक बार अवश्य बदलते रहें, गड्ढों में जहां पानी इक_ा हो तो उसमें मिट्टी भर दें। यदि मिट्टी डालना संभव नहीं हो तो उस गड्ढे के पानी में कुछ मिट्टी का तेल या डीजल डाल दें। सोते समय यथासंभव मच्छरदानी का प्रयोग करें। शरीर पर नीम का तेल या सरसों के तेल आदि का प्रयोग करें। घर तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं साफ रखें। रोगी के गंभीर होने की दशा में तुरन्त डॉक्टर को दिखाए। घर के आसपास पानी इक_ा नहीं होने दें। जहां तक संभव हो खुले बदन एवं बिना मच्छरदानी के न सोएं। इस दौरान सुरेंद्र सिंह, संदीप, बजरंग, कुलदीप, विकास, दिनेश, सुनीता, संतोष आदि मौजूद रहे।

नरवाना। क्लरिंग करते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

सुंदर चित्र प्रस्तुत किए

नरवाना। वेदांता इंटरनेशनल स्कूल कलौदा खुर्द में आज कलरिंग बुक्स डे बड़े ही उत्साह और रचनात्मक ऊर्जा के साथ मनाया गया। यह आयोजन विद्यालय के कक्षा 6 से 8 तक के सभी विद्यार्थियों के लिए रखा गया जिसमें सभी छात्रों ने पूर्ण जोश व उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्तिए दृश्य कौशल और कलात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से कागज़ पर उकेरा। पेंटिंग्स स्केचिंगए ड्रॉइंग्स और रंगीन पोस्टर तैयार करते हुए बच्चों ने पर्यावरण सामाजिक जागरूकताए विद्यालय जीवन और विज्ञान जैसे विषयों को सुंदर चित्रों में प्रस्तुत किया। शिक्षकों ने न केवल छात्रों को प्रेरित किया बल्कि उनके मार्गदर्शन में बच्चों की कलाकृतियाँ और अधिक निखर कर सामने आईं। कक्षा.कक्षा में एक उत्सव जैसा माहौल बना रहाए जहाँ रंगए रचनात्मकता और टीमवर्क का संगम देखने को मिला।

नरवानाः वैवाहिक परिचय सम्मेलन को लेकर बैठक

नरवाना। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज नरवाना के पदाधिकारियों की एक बैठक कल शाम अध्यक्ष विशाल गोयल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में 7 सितम्बर को जीन्द में होने वाले ऐतिहासिक वैवाहिक परिचय सम्मेलन को लेकर विचार विमर्श किया गया और तय किया गया कि सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए नरवाना की प्रमुख संस्थाओं के पदाधिकारियों व महिला विंग की टीमों से मिलकर उन्हें रजिस्ट्रेशन फॉर्म दिए जाएंगे ताकि नरवाना से ज्यादा से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो सके। इस बैठक में मोहित बंसल को नरवाना मीडिया प्रभारी व कुलदीप जैन को कोषाध्यक्ष बनाया गया। प्रचार समिति के जिला संयोजक व नरवाना मीडिया प्रभारी मोहित बंसल ने बताया कि आज समाज में शादी के लिए योग्य वर या वधू का मिलना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर : जयप्रकाश

उचाना। हिसार लोकसभा से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश उचाना के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में शनिवार को पहुंचे। यहां पर लोगों की समस्याओं को सुनने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं से मिले। पत्रकारों से बातचीत करते सांसद जयप्रकाश ने कहा कि वे हर महीने एक दिन उचाना में लोगों की समस्याएं सुनते हैं। उचाना विधानसभा क्षेत्र हिसार लोकसभा में आता है और हिसार से काफी दूर है। इसलिए लोगों को आने-जाने की असुविधा न हो, इस कारण ये फैसला लिया है। जयप्रकाश ने प्रदेश की नायब सरकार पर निशाना साधा। कहा कि नायब शब्द ही छोटा होता है, जैसे तहसीलदार और नायब तहसीलदार। उन्होंने व्यंग्यात्मक टिप्पणी की कि सरकार का प्रचार अपराध में बहुत अच्छा हो रहा है। उनका आरोप है कि अपराध की दृष्टि से हरियाणा पहले नंबर पर है। बेरोजगारी के मुद्दे पर जयप्रकाश ने सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बेरोजगारी चरम पर है। सरकार ने परमानेंट सर्विस केंद्र और सीईटी का सिर्फ ड्रामा किया है। उनके अनुसार इसका असर कई वर्षों के बाद ही दिखेगा।

उचाना। लोगों की समस्याओं को सुनते सांसद जयप्रकाश। फोटो :हरिभूमि

उचाना। खंड स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

खंड स्तरीय स्कूल में लहराया परचम

उचाना। खंड स्तर पर खरकभूरा गांव में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में शिक्षा भारती ग्लोबल स्कूल बुडायन के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शुभम पुत्र कुलदीप सिंह ने 1500 मीटर दौड़ में प्रथम, विनय पुत्र नरेंद्र ने 400 मीटर में तीसरा, गौरव पुत्र वीरेंद्र ने 200 मीटर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। भारोत्तोलन में रोहित पुत्र चरण सिंह, अरमान पुत्र विकास ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य हरेंद्र कुमार ने विजेता छात्रों को पुरस्कार वितरण किए एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कोच रितु, अंकिता, वीरेंद्र एवं छात्रों के परिजनों को उनके सहयोग के लिए शुभकामनाएं दी। चेयरपर्सन राजवीर सिंह एवं निर्देशक कुलदीप सिंह बिढ़ान ने छात्रों की हौसला अफजाई की तथा उन को जीवन में आगे बढने हेतु प्रेरित किया।

नन्हे बच्चों ने दिखाया हुनर का कमाल

जींद। यदुवंशी शिक्षण निकेतन बीबीपुर में लिटिल वंडर्स डे का रंगारंग आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। जिसमें नन्हें बच्चों ने अपनी कला, संस्कृति और आत्मविश्वास का अद्भुत प्रदर्शन किया। मुख्यअतिथि के रूप में रमेश सिंगला उपस्थित रहे। जो कि एक वरिष्ठ एसोसिएट मोटिवेशनल स्पीकर एवं हरियाणा सरकार के सलाहकार हैं। बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते कहा इतनी छोटी उम्र में मंच पर इस आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति देना वास्तव में प्रशंसनीय है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों को व्यक्तित्व विकास की दिशा में प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम की शुरूआत कक्षा दो के छात्रों द्वारा गणेश वंदना से हुई। जिसके बाद श्रीकृष्ण मंत्र, स्वागत गीत, हवन करेंगे, रक्षाबंधन थीम, लुंगी डांस, राम भजन, हरियाणवी नृत्य और विद्यालय गीत जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष आकर्षण का केंद्र नर्सरी के बच्चों की रंगीन प्रस्तुतियां रही। कार्यक्रम को संबोधित करते चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य हर बच्चे को झिझक से मुक्त कर एक ऐसा मंच देना है, जहां वह अपने हुनर को खुलकर प्रस्तुत कर सके।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

जींद। बच्चों के साथ मौजूद स्कूल प्रबंधक। फोटो :हरिभूमि

बच्चों ने राष्ट्रपति को भेजी राखियां

जींद। रोहतक रोड स्थित शिव पब्लिक स्कूल के छात्रों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपने हाथ से बना कर स्नेह भरी राखियां भेजी। इस अवसर पर छोटे-छोटे बालकों का उत्साह व प्रेम देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक वृंदा शर्मा ने कहा कि स्कूल के विद्यार्थियों ने द्रौपदी मुर्मू को अपना प्रेम व सम्मान इन राखियों के माध्यम से भेजा है। इस अनूठी शुरूआत के लिए उन्होंने सभी छात्रों व स्टाफ सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

उचाना। खेलकूद प्रतियोगिता में दमखम दिखाते खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

बैडमिंटन में खेड़ी सफा रहे प्रथम

उचाना। खरकभूरा खेल स्टेडियम में खंड स्तरीय प्रतियोगिता के दूसरे दिन विभिन्न खेलों में जीत के लिए खिलाडियों ने पसीना बहाया। दूसरे दिन मुख्य अतिथि के तौर पर प्रिंसिपल सज्जन कुमार पहुंचे। सज्जन कुमार ने कहा कि खिलाडियों शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेलों का बहुत अधिक महत्व है। खेल सचिव सुरेंद्र सिंह ने खिलाडियों को प्रोत्साहित करते हुए खेलों का महत्व बताया। प्रधान जोगेंद्र सिंह ने फुटबॉल के मैच करवाए। प्रतियोगिता छह अगस्त को संपन्न होगी। सरकारी, गैर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे है। अंडर 14, 17, 19 प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। ये रहे परिणामःअंडर 14 बॉक्सिंगमें प्रथम शिवम घसो खुर्द, द्वितीय तनिष्क घसो खुर्द रहे। अंडर 17 में प्रथम हर्ष घसो खुर्द, द्वितीय तेजस घसो खुर्द, अंडर 19 में प्रथम स्थान तेजस कुमार घसो खुर्द, द्वितीय दिनेश घासो खुर्द रहे। बैडमिंटन अंडर 14में प्रथम खेड़ी सफा, द्वितीय खरकभूरा, अंडर 17 में प्रथम भौंगरा रहा। कुश्ती अंडर 14में प्रथम वीर सिंह खेड़ी मंसानिया, द्वितीय कोहिनूर खापड़, तृतीय दक्षित दरोली खेड़ा रहे।

भाजपा ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया : डॉ. पुष्पा तायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जिसने महिलाओं के हित की सोची है व महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया है।प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा के पानीपत शहर से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना की शुरुआत की, महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रख कर शौचालय का निर्माण करवाया। महिलाओं के लिए स्पेशल थानों की स्थापना की। उज्जवला योजना लागू करके सिलेंडर मुहैया करवाए। महिलाओं को राजनीति में आगे लाने के लिए पंचायतों में पचास प्रतिशत आरक्षण दिया। विधानसभा व लोकसभा चुनाव में महिलाओं के लिए तैंतीस प्रतिशत आरक्षण दिया। तायल ने कहा मोदी सरकार में महिलाओं में आत्मविश्वास और बढ़ा है। छह लाख से अधिक महिलाएं अपने पैरों पर खड़े होकर परिवार का सहयोग कर रही हैं। 60हजार से अधिक सेल्फ हेल्प ग्रुप चल रहे हैं। जिनसे महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हुई हैं। तायल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के हित को ध्यान में रख कर अनेकों कानून बनाए व उनको धरातल पर लागू किया है। तीन तलाक जैसे कानून, महिला खिलाडियों की सहयोग राशि बढ़ाई। तायल ने कहा कि प्रधानमंत्री के पदचिह्नों पर चल कर नायब सरकार भी महिलाओं को लाडो योजना के तहत 2100 रु देने जा रही।

जींद। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने लहराया परचम

जींद। अंडर 17 की खेल प्रतियोगिता ब्लॉक स्तर पर डीपीएस स्कूल लोहचब गांव में आयोजित हुई। डीएन मॉडल स्कूल की दो लड़कियों ने खेल प्रतियोगिता में भाग लिया। मन्नू ने 50 मीटर बटरफ्लाई, 100 मीटर बैकस्ट्रोक, 50 मीटर बैक स्ट्रोक तीनों इवेंट में प्रथम स्थान प्राप्त करके स्कूल का नाम रोशन किया। अनिशा ने 100 मीटर फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान, 200 मीटर आईएम में द्वितीय स्थान व 200 मीटर की फ्री स्टाइल में द्वितीय स्थान प्राप्त करके अपनी जीत का परचम लहराया। विद्यालय प्रांगण में सम्मान समारोह का आयोजन करके इन खिलाडियों को निदेशक वीरेंद्र ढिल्लों व प्राचार्या राज रेढू के द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। निदेशक वीरेंद्र ढिल्लों ने बताया कि बच्चों को खेलों में भाग लेना चाहिए ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। खिलाडियों को प्रेरित करते उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जींद। कार्यशाला में मौजूद शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

जीवन कौशल पर कार्यशाला का आयोजन

जींद। सुप्रीम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के निर्देशानुसार एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जीवन कौशल (मूल) विषय पर केंद्रित रहीए जिसका उद्देश्य शिक्षकों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक जीवन कौशलों से सुसज्जित करना था। इस कार्यक्रम में दो अनुभवी प्रशिक्षिकाओं रूबी दलाल अंग्रेजी प्रवक्ता एवं विभागाध्यक्ष, आदर्श वमावि कुरुक्षेत्र तथा नैना सूद जीवविज्ञान प्रवक्ता पीएम श्री विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय खुंगा कोठी जींद ने मुख्य प्रशिक्षिका के रूप में भाग लिया। उन्होंने शिक्षकों के साथ संवाद कर विभिन्न व्यवहारिक गतिविधियों के माध्यम से जीवन कौशलों की व्याख्या की और उनके विद्यालयीन प्रयोग पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के स्थल निदेशक एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य सतेंद्र त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य में कहा जीवन कौशल केवल शैक्षणिक दक्षता का हिस्सा नही है बल्कि वे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के व्यवहार संवाद निर्णय क्षमता तथा आत्म प्रेरणा को दिशा देने वाले मूल तत्व हैं।

स्वास्थ्य अधिकारियों तथा कर्मियों को बताए आग बुझाने के तरीके

फायर सेफ्टी को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में शनिवार को फायर सेफ्टी को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान फायर कर्मियों ने डेमो के माध्यम से आग बुझाने के अलग-अलग उपायों के बारे में स्वास्थ्यकर्मियों को जानकारी दी। अस्पताल में लगे फायर सेफ्टी उपकरणों को कैसे प्रयोग में लाए जाए, इसके बारे में बताया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमओ डा. सुमन कोहली ने की जबकि डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला, सीनियर डेंटल सर्जन डा. दिनेश फायरमैन अंकित, अमित, नर्सिंग ऑफिसर शर्मिला, आशा व पिंकी मौजूद रही। डिप्टी एमएस डा. राजेश भोलाने कहा कि हर किसी को फायर सेफ्टी उपकरणों के बारे में जानकारी होना बहुत जरूरी है। अस्पताल में उपकरण तो लगाए गए हैं लेकिन यदि हमें इन उपकरणों को चलाने की कोई जानकारी न हो तो यह उपकरण जरूरत पड़ने पर हमारे लिए कोई काम नहीं आएंगे। ऐसे में हर स्टाफकर्मी को फायर सेफ्टी उपकरणों का प्रयोग करने की जानकारी अवश्य रखनी चाहिए। फायरमैन अंकित ने बताया कि आग लगने पर सबसे पहले फायर अलार्म को सक्रिय करें। फिर आग-आग चिल्ला कर आमजन को सचेत करें। आग लगने पर लिफ्ट का प्रयोग न करें। धुएं से घिरे होने पर अपने नाक और मुंह को गीले कपड़े से ढक लें। आग लगने पर तुरंत 101/112 नंबर पर फोन करें। अगर आप धुएं से भरे कमरे में फंस जाएं और बाहर निकलने का रास्ता न हो तो दरवाजे को बंद कर लें और सभी दरारों और सुराखों को गीले तौलिये या चादरों से सील कर दें जिससे धुआं अंदर न आ सके। डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि हमे फायर सेफ्टी उपकरणों की जानकारी होनी चाहिए। अगर आग आपकी अपनी इमारत में लगी है और आप अभी फंसे नहीं हैं तो पहले बाहर आएं और वहीं रूक कर 101 नंबर पर अग्निशमन सेवा को घटना की सूचना दें। इमारत में लगे फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर, पानी के स्त्रोत, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली और अग्निशामक यंत्रों को चलाने की जानकारी रखें ताकि जरूरत के समय इनका प्रयोग किया जा सके।

जींद। डेमो को देखते हुए स्वास्थ्य अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

खबर संक्षेप

तुलसी का पौधा लगाने से कई फायदे : ज्ञान

कैथल । तुलसी का पौधा लगाने से कई फायदे हैं,यह न केवल धार्मिक एवं आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि इससे की स्वास्थ्य लाभ भी हैं। तुलसी का पौधा घर में सकारात्मक उर्जा लाता है, नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।यह हवा को शुद्ध करने में भी मदद करता हैञ उपरोक्त विचार लांयस क्लब कैथल ग्रेट के प्रधान ज्ञान प्रकाश कुमार ने श्री शिर्डी साईं मंदिर के बाहर तुलसी पौधे वितरित करते हुए प्रकट किए।

दुष्कर्म करने व ब्लैकमेल करने के आरोप में केस

कैथल। कलायत थाना पुलिस ने एक किशोरी के साथ दुष्कर्म करने तथा ब्लैकमेल करने के आरोप में दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस संबंध में कलायत थाना के तहत आने वाले गांव के एक व्यक्ति ने कलायत पुलिस को शिकायत में आरोप लगाया है कि विक्रम नामक युवक उसकी 17 साल की बेटी के साथ इंस्टाग्राम पर बात करता था। आरोप है कि आरोपी उसकी भतीजी को बहला फुसलाकर जींद के निकट एक होटल में ले गया। आरोपी ने वहां पर उसके साथ दुष्कर्म किया तथा उसकी अश्लील वीडिया बना ली।

जींद में 7 सितम्बर को जुटेंगे सैकड़ों विवाह योग्य युवक-युवतियां

कैथल। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल का कहना है कि हरियाणा समेत कई राज्यों में शादी के लिए योग्य वर या वधू का मिलना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। कम लिंगानुपात, बिचौलियों की खत्म होती भूमिका, एकांकी परिवार और अन्य कई कारणों की वजह से विवाह योग्य लड़के लडकियों के समय पर रिश्ते नहीं हो पा रहे। इस समस्या को देखते हुए अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा की ओर से 7 सितम्बर को जीन्द में एक ऐतिहासिक अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

धूमधाम से मनाई जाएगी गुरु दक्ष प्रजापति जयंती

पूंडरी । गुरु दक्ष प्रजापति धर्मशाला मंदिर जन कल्याण समिति फतेहपुर की ओर से गुरु दक्ष प्रजापति जयंती समारोह रविवार 3 अगस्त को माता मनसा देवी मंदिर परिसर फतेहपुर में पूरे धार्मिक उल्लास और सामाजिक एकता के साथ मनाया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा शिरकत करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर सांसद नवीन जिंदल, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, हल्का विधायक सतपाल जांबा पहुंचेंगे। इस दौरान पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक वर्मा सिरसा करेंगे।

गांव कौल में मनाया 817वां बादली बलिदान दिवस

कौल गांव की ऐतिहासिक धरती पर समाज की एकता और सम्मान का भव्य उत्सव

पुंडरी के विधायक सतपाल जांबा ने इस ट्रस्ट को अपने निजी कोष से 21 लाख की राशि समर्पित करते दिया सामाजिक संदेश

कैथल। हवन में आहुति डालते विधायक सतपाल जांबा व अन्य व बादली दिवस पर रोड समाज के लोगों को सम्मानित करते विधायक सतपाल जांबा फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

गांव कौल में 817वां बादली बलिदान दिवस पूरे सम्मान, श्रद्धा और सामाजिक एकता की भावना के साथ अत्यंत भव्यता से आयोजित किया गया। यह दिन रोड़ समाज के उन वीर सपूतों को समर्पित रहा, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया और हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए शौर्य और समर्पण की मिसाल बने। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सतपाल जांबा और जिला परिषद के अध्यक्ष कर्मबीर कौल रहे। समारोह की विशेष बात यह रही कि इसमें केवल हरियाणा ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से भी रोड़ समाज के सम्माननीय बुजुर्ग, माताएं, बहनें और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। समाज के प्रमुख जनप्रतिनिधियों, विधायकों, चेयरमैन, प्रशासनिक अधिकारियों, पूर्व सैनिकों व सरपंचों की गरिमामयी उपस्थिति ने इस आयोजन को एकता, संस्कार और सामाजिक चेतना का महोत्सव बना दिया। इस ऐतिहासिक अवसर पर रोड़ समाज के गौरव — पूज्य राजा रोड़ जी की प्रतिमा का अनावरण कर उनके योगदान को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। उनके नेतृत्व, त्याग और समाजहित में किए गए कार्यों की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु /"राजा रोड़ ट्रस्ट/" की स्थापना की गई है।

पुंडरी के विधायक सतपाल जांबा ने इस ट्रस्ट को अपने निजी कोष से 21 लाख की राशि समर्पित करते हुए समाज के प्रति अपनी गहन प्रतिबद्धता दिखाई। यह ट्रस्ट राजनीतिक हस्तियों द्वारा नहीं, बल्कि सेना से सेवानिवृत्त सम्माननीय रोड़ समाज के सदस्य मिलकर संचालित करेंगे — ताकि यह संस्था पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष और समाज के विकास हेतु समर्पित बनी रहे।जब हम अपने इतिहास को आत्मगौरव और कर्म से जोड़ते हैं, तभी वह इतिहास जीवित रहता है।/

कार्यक्रम का समापन शहीदों को श्रद्धांजलि और समाजिक एकता के संकल्प के साथ किया। इस अवसर पर सरपंच कुसुमलता, पूर्व विधायक चौधरी तेजबीर सिंह, पूर्व विधायक चौधरी मक्खन सिंह, पूर्व संसदीय सचिव सुल्तान सिंह जड़ौला, सरपंच प्रतिनिधि नरेश आढती, पूर्व सर्प श्याम सुन्दर,रामपाल कौल, ईश्वर बट्टी, जितेन्द्र टाया, कृष्ण कुमार, प्रोफेसर नरेश सागवाल,पोल्ला आदि मौजूद रहे।

विधायक ने की म्यूजियम बनाने की घोषणा

विधायक सतपाल जांबा ने इस अवसर पर यह भी घोषणा की कि आने वाले समय में रोड़ समाज की विरासत, इतिहास और योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए एक भव्य संग्रहालय (म्यूज़ियम) की स्थापना की जाएगी। साथ ही, पानीपत जिले के अहर-कुराना चौक को /"राजा रोड़ चौक/" के नाम से स्वीकृत करवा लिया गया है — जो बिरादरी के आत्मगौरव को एक नई पहचान देगा। /"यह सिर्फ समारोह नहीं, एक सामाजिक संकल्प है। हमें मिलकर रोड़ बिरादरी के 300 से अधिक गांवों को ऐसा विकसित बनाना है कि लोग दूर से ही कहें यह रोड़ राजाओं का गांव है।

कैथल। जिला एवं सत्र न्यायधीश सुभाष मैहला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

- बाल श्रम, बाल विवाह एवं बाल तस्करी रोकने संबंध में किया जागरूक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल के अध्यक्ष तथा जिला एवं सत्र न्यायधीश सुभाष मैहला के आदेशानुसार शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल द्वारा वैक्लपिक विवाद समाधान केंद्र के सभागार में बाल श्रम, बाल विवाह एवं बाल तस्करी रोकने सबधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें एमडीडी आफ इंडिया (एन.जी.ओ.) का सहयोग रहा। कार्यक्रम में डीएसपी गुरविन्द्र सिंह, एसआई मदन लाल, रेलवे विभाग से एनके शर्मा, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा रोडवेज व अन्य सरकारी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी सहित एमडीडी आफ इंडिया (एन.जी.ओ.) से कोऑर्डिनेटर अशोक कुमार मौजूद रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कंवल कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य अनाथ / बेसहारा, बालश्रम के शिकार, भिखारी, मानव तस्करी और बाल श्रम से पीड़ित बच्चों को उनके अधिकार दिलाने बारे जैसे शिक्षा, पहचान पत्र, निराश्रित बच्चों को वित्तिय सहायता दिलाने के बारें में विचार विमर्श किया। इसके साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता एवं किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य अरविन्द खुरानियां द्वारा बाल विवाह, बाल श्रम और बाल / मानव तस्करी रोकने के बारें में विस्तृत जानकारी और कानूनी प्रावधानों के बारें में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की हेल्पलाइन नंबर 01746-235759 और मुफ्त कानूनी सहायता टोल फ्री नंबर 15100 पर किसी भी तरह की कानूनी या सामाजिक समस्या के बारें में भी बात कर सकते हैं।

भारत विकास परिषद ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पूंडरी

कैथल। भाविप सदस्य फतेहपुर में पौधारोपण करते हुए।

भारत विकास परिषद फतेहपुर-पूंडरी शाखा द्वारा फतेहपुर ढांड़ रोड स्थित पंचायत घर के पास एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूरे हर्षोल्लास और सामाजिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किए गए, जिनका उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना था, बल्कि भावी पीढ़ियों को एक स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण प्रदान करने का संकल्प भी था। कार्यक्रम में महिला संयोजिका निधि मोहन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर दिन की आवश्यकता है। हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम प्रकृति की सुरक्षा, स्वच्छता और हरियाली को अपनी प्राथमिकता बनाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हर पेड़, हर बूंद और हर सांस की कद्र करना ही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सच्ची सेवा है।कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष परवीन मित्तल, कोषाध्यक्ष राजेश शर्मा, महिला संयोजिका निधि मोहन, नवीन टाया, बलविंदर वालिया, मोहित सहित कई सदस्य व स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर स्वच्छ, हरा-भरा और संतुलित पर्यावरण की दिशा में एकजुट होकर प्रयास करने का आह्वान किया। पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ इसी संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

एसडीएम इंटरनेशनल स्कूल राजौद में किया इको क्लब का गठन

राजौंद । एसडीएम इंटरनेशनल स्कूल राजौद के प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण के उपलक्ष्य में इको क्लब का गठन किया गया। इसमें स्कूल के 20 बच्चों को शामिल किया गया।एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत बच्चों से पेड़ लगवाया गया । बच्चों को पेड़ों के महत्व और उनसे होने वाले लाभ से अवगत करवाया गया।पर्यावरण को साफ सुथरा व सुंदर बनाए रखने के लिए बच्चों को प्रेरित किया।इस दौरान स्कूल में एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सभी बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान पहली कक्षा से चौथी कक्षा तक गुरनेक ने प्रथम स्थान लक्षित ने द्वितीय स्थान एंजेल तृतीय स्थान प्राप्त किया।पांचवी कक्षा से आठवीं तक जस्टिन प्रथम मोनिका द्वितीय आयुषी, किनवी तृतीय स्थान पर रही।

जिला नागरिक अस्पताल के धोबी घाट से मिले नवजात का करवाया पोस्टमार्टम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

जिला नागरिक अस्पताल के धोबी घाट से शुक्रवार रात के समय नवजात का शव मिलने के मामले में झकझोरने का वाला पहलू सामने आया है। इस मामले में शनिवार को डॉक्टरों ने नवजात शिशु के शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम किए जाने के दौरान डॉक्टरों के सामने आया कि इस नवजात बच्चे की दाएं तरफ की टांग और बाजू कुत्ते ने नौच रखी थी। इस कारण से पोस्टमार्टम में नवजात के लड़का या लड़की को लेकर कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

इसके साथ ही प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि यह बच्चा आठ से नौ माह का है। हालांकि अभी पोस्टमार्टम की रिपोर्ट को नहीं आई, लेकिन नवजात बच्चे के डीएनए के लिए सैंपल भी रखा गया है। इसके बाद अब पुलिस की ओर से डीएनए मिलाने की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मामले में सिविल लाइन थाना की पुलिस ने अस्पताल के कर्मी शक्ति नगर निवासी गंगाराम की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता 94 की धारा के तहत केस दर्ज किया है। यह धारा किसी बच्चे के जन्म को छिपा उसके शव को दफनाने की कोशिश करने के प्रयास में लगाई जाती है। बता दें कि 12 जून को भी चीका के गांव भागल में एक महिला ने अपने एक्स्ट्रा मैरिटयल अफेयर के चलते नवजात को जन्म देने के बाद ही मौत के घाट उतार दिया था। इस मामले में महिला का पति पिछले कई सालों से विदेश रहा रहा है और उसने अन्य दो महिलाओं की सहायता से किराए के एक मकान में रहते हुए अपनी डिलीवरी करवाई थी।

डीएनए मिलान की होगी प्रकिया

सिविल लाइन कैथल के थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि इस मामले में अस्पताल के कर्मचारी गंगा राम की शिकायत मिलने के बाद भारतीय न्याय संहिता 94 की धारा के तहत केस दर्ज कर लिया है। नवजात के शव का पोस्टमार्टम भी करवा दिया गया है। अब नवजात के डीएनए मिलान की प्रकिया भी शुरू की जाएगी।

10 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने वालो को प्रशस्ति पत्र वितरित

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज, कैथल के वाणिज्य के 35 विद्यार्थियों के द्वारा पंजाब नेशनल बैंक के संयुक्त तत्वावधान में "मशरूम की खेती" पर 10 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रशस्ति पत्र वितरण का आयोजन किया गया। प्रधान आरवीएस एवं प्रबंधन समिति अश्विनी शोरवाले, उपप्रधान आरवीएस श्याम बंसल, उपप्रधान प्रबंधन समिती महेश मंगल, महासचिव आरवीएस एवं प्रबंधन समिती पंकज बंसल, कोषाध्यक्ष आरवीएस अशोक मंगल एवं सुनील चौधरी कोषाध्यक्ष प्रबंधन समिति, अनिल शोरेवाले पूर्व प्रधान, साकेत मंगल एडवोकेट पूर्व प्रधान एवं अन्य सम्मानित प्रबंधन समिति के सदस्यों ने सफल विद्यार्थियों को प्रमाण एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशरूम की वैज्ञानिक खेती की तकनीकों से परिचित करवाना और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना था। इस उद्धम को शुरू करने वालो को पंजाब नेशनल बैंक आसान किश्तों पर आसान ऋण भी उपलब्ध करवाएगा।

जनसभा को कामयाब बनाने को लेकर इनेलो कार्यकर्ताओं ने बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गुहला चीका

सोलह अगस्त की जनसभा को लेकर विचार विमर्श करते हुए इनेलो पदाधिकारी।

इनेलो कार्यकर्ताओं की एक बैठक हलका प्रधान बलकार बल्लू की अध्यक्षता में उनके निवास पर बुलाई गई। बैठक में 16 अगस्त को चीका में होने वाली इनेलो की जनसभा को सफल बनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया। इनेलो हलका अध्यक्ष बलकार बल्लू ने बताया कि 16 अगस्त को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला व प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा भवानी मंदिर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को जनता के समक्ष उजागर करेंगे। बल्लू ने बताया कि जनसभा के दौरान अभय चौटाला 25 सितंबर को रोहतक में मनाई जाने वाली ताऊ देवी लाल की 112 वीं जयंती कार्यक्रम का कार्यकर्ताओं को निमंत्रण भी देंगे। बलकार बल्लू ने कहा कि इस जनसभा को कामयाब बनाने के लिए गांव गांव जाकर लोगों को निमंत्रण दिया जा रहा है।

विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की पालना करने के लिए किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

डीएसपी ट्रैफिक हारट्रोन कंप्यूटर सेंटर में विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी देते हुए फोटो : हरिभूमि

सड़क सुरक्षा विषय के तहत आमजन सहित युवाओं को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए पेहोवा चौक कैथल स्थित हारट्रोन एडवांस स्कील सेंटर में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डीएसपी ट्रैफिक सुशील प्रकाश व यातायात थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नरेश कुमार ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की पालना करने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान इंस्टिट्यूट हेड डॉ बलविंदर ढुल, चीफ कोर्डिनेटर पंकज आत्रेय, कोर्डिनेटर खुशबु अरोड़ा, सेंटर मैनेजर मोहिनी कंसल, हैवी व्हीकल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट गढ़ी से पुनीत धीमान व अन्य स्टॉफ व विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा दुर्घटनाओं में कमी लाना है। डीएसपी ट्रैफिक सुशील प्रकाश ने विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की आवश्यकता, हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग, तेज गति और मोबाइल के उपयोग से होने वाले खतरों, अंडर ऐज में वाहन चलाना, स्टंट बाजी करना पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं लापरवाही और नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं।

आमजन से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का किया आह्वान

एडीसी दीपक बाबू और बीजेपी जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने की हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

कैथल। एडीसी दीपक बाबू लाल करवा तिरंगा अभियान की शुरूआत करते हुए

एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण 2 अगस्त से 8 अगस्त तक तथा दूसरा चरण 8 से 12 अगस्त तथा तीसरा चरण 12 से 15 अगस्त तक आयोजित होगा। इस दौरान जागरूकता रैली, तिरंगा रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने समाज सेवी संस्थाओं का आह्वान किया कि वे हर घर तिरंगा अभियान में बढ़चढ़ कर भाग लें। अभियान के तहत जवानों को तिरंगा व राखी भेजने जैसे अभियान भी चलाए जाएंगे। तिरंगा-हर घर स्वच्छता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार के इस बार के हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग संदेश के तहत स्वच्छता बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। लघु सचिवालय स्थित सभागार में एडीसी दीपक बाबू लाल करवा, बीजेपी जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी व अन्य पदाधिकारियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, किसानों ने हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम के शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लिया। एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने कहा कि देश को आजादी दिलवाने में असंख्य शहीदों ने अपने प्राणों को न्यौछावर किया है। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि हर घर तिरंगा अभियान में बढ़चढ़ कर भाग लें।

शहीदों को नमन कर कार्यक्रम किया शुरू

शहीदों को नमन करते हुए हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत की गई है। बीजेपी की जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि तिरंगा सभी देशवासियों को एकजुटता का संदेश देता है। आजादी के आंदोलन में तिरंगे की आन-बान और शान के लिए लाखों क्रांतिकारियों ने अपना बलिदान दिया। सरकार द्वारा चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से ऐसे महान क्रांतिकारियों को नमन करने के साथ-साथ देश भक्ति को भावना को बढ़ाने का काम किया जा रहा है।

नव सत्र के शुभारंभ के उपलक्ष्य पर हवन आयोजित

पूंडरी । चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय फतेहपुर-पूंडरी के प्रांगण में आज सकारात्मक ऊर्जा, शैक्षणिक वातावरण की शुद्धता और नव सत्र के शुभारंभ के उपलक्ष में रिचुअल सेल द्वारा हवन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9 बजे वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ चौ. ईश्वर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अमिता राणा, सभी शिक्षकगण, कर्मचारीगण और छात्राएं उपस्थित रहीं। प्रबंध समिति के अध्यक्ष चौ. तेजवीर सिंह ने कहा कि यह हवन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह हमारी प्राचीन संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कारों में भी समृद्ध होना चाहिए। प्राचार्या डॉ. अमिता राणा ने वैदिक परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हवन से न केवल वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि इससे मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। उन्होंने छात्राओं को भारतीय संस्कृति से जुडने की प्रेरणा दी। समारोह के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया। संपूर्ण वातावरण मंत्रोच्चारण और अग्निहोत्र की आभा से आध्यात्मिक बन गया।

डॉ राजबीर ने संभाला प्रिंसिपल का कार्यभार

कैथल। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ राजबीर पाराशर ने आज प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान आर के एस डी कॉलेज के प्रिंसीपल का पदभार ग्रहण कर लिया। उनकी नियुक्ति वर्ष 1992 में बतौर प्राध्यापक हुई थी। वे असाधारण प्रतिभा के धनी अपनी पेशेवर प्रतिबद्धता और साधारण एवं सादगीपूर्ण जीवन शैली के लिए खास पहचान रखते हैं। कॉलेज प्रबंधन के सभी पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे, सभी ने सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य सतबीर मेहला सहित डॉ राजबीर पाराशर को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

निलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला गढ़वाली जुलाना (जींद) की भवन-इमारत जिसमें लगभग 9 कमरे एवं एक स्सोईघर शामिल है PWD B&R को जींद द्वारा जर्जर कंडम घोषित किया गया है। भवन-इमारत को तोडकर मलबा सामान आदि को उठाने बारे निलामी की जाएगी। अतः निलामी में रूचि रखने वाली फर्म / ठेकेदार, जन साधारण बोली में शामिल होने के लिये दिनांक 11 अगस्त 2025 को प्रातः 10 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गढ़वाली खेडा खंड जुलाना जिला जींद पहुँचने का कष्ट करें। प्राचार्य
जी.एस.एस.एस, गढ़वाली खेडा-1521 (जींद)

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि रा. व. मा. विद्यालय, अहिरका (1538) जीन्द में 6 कंडम कमरों की नीलामी / बोली 05.08.2025 को प्रातः 10:00 बजे विद्यालय प्रांगण में होनी है। नीलामी की शर्तें मौके पर बता दी जाएंगी।

विद्यालय प्रबंधन समिति
अहिरका, जीन्द

खबर संक्षेप

ईको क्लब ने पाई के पशु अस्पताल में रोपे पौधे

पाई। पाई इंटरनेशनल स्कूल, पाई के इको क्लब ने पाई के पशु अस्पताल में पौधे लगाए व जागरूकता रैली निकाली।स्कूल मैनेजमेंट ने बताया की सरकार की एक पौधा माँ के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए हर विद्यार्थी के हाथो पौधा लगाने की मुहीम स्कूल ने शुरू की है। इसके लिए स्कूल के विद्यार्थियों, गैर शैक्षणिक स्टाफ, पंचायतो व सामाजिक संस्थाओं की मदद ली गयी है। अभियान का उद्देश्य आस पास के गांव में सार्वजनिक स्थानों पर पेड़ लगाना व उनकी देखभाल करना है।

बाइक चोरी का उद्घोषित आरोपी किया गिरफ्तार

कैथल। पीओ पकडो स्टाफ प्रभारी एस आई ओमप्रकाश की अगुवाई में एएसआई रणदेव की टीम द्वारा आरोपी मुंदड़ी निवासी विकास को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी विकास पर 28 जून 2020 को शुगर मिल कॉलोनी कैथल से एक बाइक चोरी करने का आरोप है। थाना तितरम में मामला दर्ज है। आरोपी विकास को गिरफ्तार किया गया था परन्तु आरोपी न्यायालय से जमानत लेने उपरांत न्यायालय में दोबारा हाजिर नहीं हुआ था।

बालू में बाल विवाह करवाने पर केस दर्ज

कैथल। महिला पुलिस ने गांव बालू में 13 साल की किशोरी का बाल विवाह करने के आरोप में एक महिला सहित पांच के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिला बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी सुनीता शर्मा ने बताया कि 19 जनवरी 2025 को गांव बालू में एक बालिका के परिजनों ने उसकी जबरन शादी करवा दी। जांच में बालिका की उम्र 13 साल थी। बाल विवाह करवाने में बालिका के पिता करमजीत, मां किरण देवी, मामी संतरो देवी तथा कुलदीप और कृष्ण कुमार का हाथ पाया गया।

दादा खेड़ा पर भंडारे से बढ़ेगा भाईचाराः चरण

गुहला चीका। वार्ड नंबर तीन स्थित चीका नगर खेड़ा पर भंडारा तीन अगस्त को दादा खेड़ा चौक में लगाया जाएगा। इसमें हजारों लोग शिरकत करके प्रसाद ग्रहण करेंगे। यह आयोजन दादा खेड़ा मंदिर समिति चीका एवं नगर वासियों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। खेड़ा समिति के प्रधान चरण सिंह सीड़ा ने बताया कि खेड़ा मंदिर चौक में रविवार को सुबह 9 बजे हवन यज्ञ पूर्णाहुति कार्यक्रम आयोजित होगा। सुबह ठीक 11 बजे भंडारा शुरू किया जाएगा।

17 को नरवाना में मुख्यमंत्री की रैली

नरवाना। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री एवं विधायक नरवाना कृष्ण बेदी के निमंत्रण पर आगामी 17 अगस्त को मुख्यमंत्री नायब सैनी नरवाना में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। संयोजक प्रदीप मित्तल चौशाला ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी का नरवाना पहुंचना एक सौगात से कम नहीं होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मुख्यमंत्री नायब सैनी नरवाना हलका के विकास कार्यों को गति देने के लिए कई विकास परियोजनाओं की घोषणा अवश्य करेंगे। प्रदीप मित्तल चौशाला ने लोगों को इस रैली में पहुंचने का निमंत्रण दिया।

पांच सीएचसी के नए भवनों के लिए 50 करोड़ मंजूर

कंडेला, खरकरामजी, उझाना में बनेंगे नए सीएचसी भवन

आधुनिक सुविधाओं युक्त होगी सीएचसी, इससे पहले गांव दनौदा और कालवा सीएचसी भवन के लिए मंजूर हो चुका है 48 करोड़ का बजट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जिले में धीरे-धीरे ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होने जा रही हैं। अब जिले में पांच सीएचसी के भवनों के निर्माण के लिए स्वास्थ्य विभाग ने बजट को मंजूर कर जारी कर दिया है। इस बजट से उझाना, कंडेला व खरकरामजी गांव में सीएचसी के नए भवन बनेंगे। इससे पहले दनौदा व कालवा के लिए भी बजट को मंजूरी मिली थी। इन सभी के लिए विभाग ने 98 करोड़ रुपये का बजट जारी किया है। इसके चलते पिछले लंबे समय से कंडम किए गए दो सीएचसी के नए भवनों के निर्माण को मंजूरी मिली है। इन दोनों भवनों के निर्माण पर लगभग 48.80 लाख रुपये की राशि खर्च होगी। इसके लिए पीडब्ल्यूडी को फंड जारी कर दिया गया है। इस बजट को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से पीडब्ल्यूडी बीएंड आर को भेजा गया है ताकि इनमें से जिन भवनों पर काम शुरू नहीं हुआ। उन पर काम शुरू करवाकर निर्धारित समय में पूरा करवाया जा सके।

उझाना में बनने वाली सीएचसी पर 17 करोड़ होंगे खर्च

उझाना में बनने वाली सीएचसी पर 17 करोड़ रुपये, कंडेला के लिए 20 करोड़ रुपये व खरकरामजी की सीएचसी के लिए 13.67 करोड़ रुपये का बजट जारी हुआ है। इसके अलावा दनौदा के लिए 24.60 करोड़, कलावा के लिए 24.20 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इस राशि से इन सीएचसी के भवनों पर जल्द काम शुरू करवाया जाएगा ताकि मरीजों को सीएचसी का अत्याधुनिक भवन मिले। इसमें चिकित्सक, लैबए स्टाफ नर्स, इनडोर व हॉल को अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त बनाया जाएगा। यह सभी सीएचसी पहले कंडम घोषित कर दी थी।

इसके बाद इनको तोडऩे के लिए प्रपोजल भेजा गया। अब बजट मिलने के बाद इन सभी गांवों में सीएचसी के नए भवन मिलेंगे। इनको स्वास्थ्य विभाग ने काफी प्रयासों के बाद कंडम घोषित करवाया। कंडम घोषित होने के बाद इनके स्थान पर नया भवन बनवाने के लिए मुख्यालय से बजट की मांग की थी। अब लंबे समय बाद बजट को मुख्यालय से मंजूरी मिली है। अब अब इन गांवों के लोगों को सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए शहर के अस्पताल में नहीं जाना पड़ेगा।

इस स्तर की सभी बीमारियों का इलाज यहां पर बेहतर मिलेगा। सीएचसी में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, तीन से चार चिकित्सक होते हैं। इनमें दंत चिकित्सक, सामान्य रोग के चिकित्सक होते हैं। इसके अलावा एक महिला मेडिकल ऑफिसर का भी पद होता है और सिजेरियन डिलीवरी कराने की सुविधा होती है। सीएचसी में पांच से 10 बेड की इनडोर सुविधा होती है। इन गांवों में सीएचसी फिलहाल चल तो रहे हैं लेकिन कहीं पर किराये के भवन तो कहीं अन्य व्यस्थाएं बनाई हुई हैं।

इसके कारण मरीजों को शहर में उपचार के लिए आने को मजबूर होना पड़ता था। अब लोगों को नए भवन में सभी सुविधाएं बेहतर मिलनी शुरू होंगी तो वह उपचार के लिए जींद व अन्य शहरों की तरफ नहीं दौड़ेंगे। इनमें उपचार के लिए प्रतिदिन सैंकड़ों की संख्या में मरीज आते हैं।

खरकरामजी सीएचसी में काम चल रहा : सीएमओ

सीएमओ डा. सुमन कोहली ने बताया कि खरकरामजी गांव की सीएचसी में काम चल रहा है। अन्य सीएचसी पर भी जल्द काम शुरू करवाया जाएगा। इसके लिए बजट को पीडब्ल्यूडी विभाग के पास भेज दिया है। इन सभी भवनों के बनने के बाद ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

-सीएमओ डा. सुमन कोहली।

कांग्रेस सरकार होती तो दो-दो रुपये मुआवजा दे किसानों का उड़ाती मजाक

- सीएम नायब सिंह सैनी ले रहे है किसानों के हित में नायब फैसलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

उचाना। लोगों की समस्याओं को सुनते हुए विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी निरंतर नायाब फैसले किसानों के लिए ले रहे है। किसान उस समय को नहीं भूले है जब प्रदेश में कांग्रेस का राज था। दो-दो रुपये के चैक किसानों को मुआवजे के रूप में देकर किसानों का मजाक बनाया जाता था। आज किसानों को चिंता करने की जरूरत नही है। क्योंकि नायाब फैसले आज सीएम नायब सिंह सैनी किसान हित में ले रहे है। केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी किसान हितों के लिए कार्य कर रहे है। विधायक ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी ने 22617 किसानों को भारी बारिश एवं ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों का मुआवजा देने के लिए 52.14 करोड़ रुपये की राशि जारी की। फसल नुकसान का आंकलन क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से एकत्रित आंकड़ों के आधार पर किया गया। 57 हजार 485 एकड़ भूमि मुआवजे के लिए पात्र पाई गई। प्रदेश में भाजपा सत्ता ने सत्ता में आने के बाद राजनीति के मायनों को बदलने का काम किया है। आज पूरे प्रदेश में बिना किसी भेदभाव के विकास हो रहा है तो योग्यता के आधार पर रोजगार मिल रहा है।

आज परिचय सम्मेलन को लेकर अग्रवाल समाज की समीक्षा बैठक

- सात सितंबर को होगा जींद में भव्य परिचय सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा द्वारा आगामी सात सितंबर को महाराजा अग्रसेन स्कूल में आयोजित किए जाने वाले उत्तर भारत स्तरीय विवाह योग्य अग्रवाल युवक व युवती परिचय सम्मेलन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में जींद के अग्रवाल बंधुओं की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को दोपहर तीन बजे आयोजित की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल ने बताया कि इस बैठक में शहर के अग्रवाल समाज के वरिष्ठ नेतागण, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े पदाधिकारियों के साथ-साथ प्रमुख व्यापारियों और उद्योगपतियों को भी विशेष आमंत्रण दिया गया है।

जींद। बैठक को संबोधित करते प्रधान राजकुमार गोयल।

बैठक में परिचय सम्मेलन की रूपरेखा, प्रचार-प्रसार तथा व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। जींद शहर के प्रबुद्ध वर्ग का आशीर्वाद भी लिया जाएगा। बैठक की तैयारियों को लेकर अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों की बैठक निजी होटल में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अग्रवाल समाज के प्रधान राजकुमार गोयल ने की। गोयल ने बताया कि सात सितंबर का सम्मेलन इतिहासिक होगा।

पीएम श्री स्कूल उझाना में यातायात नियमों के बारे में किया जागरूक

- स्कूल पहुंचने पर ट्रैफिक पुलिस की टीम का किया स्वागत।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

नरवाना। बच्चों को संबोधित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उझाना में यातायात के नियमों के बारे में बच्चों को अवगत कराया गया। प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार मित्तल एवं मंच संचालन पुष्पेंद्र ने किया। प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ सदस्य गण ने ट्रैफिक अधिकारियों को सम्मानित किया । यातायात अधिकारियों ने बच्चों को यातायात के नियमों के तहत हेलमेट पहनना ,नशा आदि से दूर रहना, गाड़ी की सीट बेल्ट एवं सड़क पर बाएं ओर चलना और गाड़ी को समय-समय पर सुचारू रूप से ठीक करवाना आदि के बारे में अच्छी तरह से समझाया । पुलिस अधिकारी भीम सिंह बागड़ी ने बच्चों से कहा कि आप इस बारे में अपने परिवार आज पड़ोस में भी नियमों की जानकारी से अवगत कराएंगे ।इसके साथ-साथ पूरे गांव में यातायात नियम को लेकर जागरूकता रैली निकालेंगे क्योंकि जीवन में किसी भी व्यक्ति का जीवन बचाना सर्वोत्तम कार्य है । यह छोटे-छोटे नियमों का पालन करें।

जाट धर्मार्थ सभा के चुनाव का रास्ता साफ

- जिला रजिस्ट्रार ने खारिज की जाट धर्मार्थ सभा के चुनाव को लेकर डाली गई याचिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

अर्बन एस्टेट की जाट धर्मशाला का संचालन करने वाली जाट धर्मार्थ सभा के चुनाव को रास्ता अब पूरी तरह से साफ हो गया है। कई सदस्यों द्वारा फर्म एंड सोसायटी के जिला रजिस्ट्रार के पास डाली गई याचिका को रजिस्ट्रार ने खारिज कर दिया है। अब सभा का चुनाव 10 अगस्त को होगा। जाट धर्मशाला में चल रही राजनीति पर पूर्ण रूप से विराम लग गया है। जींद में जाट धर्मार्थ सभा द्वारा संचालित अर्बन एस्टेट की जाट धर्मशाला का चुनाव करवाने के लिए फर्म एवं सोसाइटी के रजिस्ट्रार द्वारा नई एडहॉक कमेटी का गठन किया गया है। नई कमेटी में ईश्वर सिंह उझाना, रिटायर्ड बीईओ किताब सिंह भनवाला और यादवेंद्र खर्ब को शामिल किया गया है। इन सदस्यों को संस्था का चुनाव करवाने की जिम्मेदारी दी गई है। चुनाव को लेकर जाट धर्मशाला में कई दिनों से चल रहा भूचाल अब थम गया है। देवव्रत ढांडा और उनके कुछ साथियों ने मतदाता सूची को लेकर सवाल उठाए थे। इसको लेकर कुछ सदस्यों ने जिला रजिस्ट्रार के पास चुनाव नहीं करवाने के लिए याचिका भी डाली थी, लेकिन रजिस्ट्रार ने याचिका को खारिज कर दिया है। इससे पहले देवव्रत ढांडा ने अपने साथियों के साथ पत्रकार वार्ता कर सभा में भाजपा द्वारा कब्जे का प्रयास किए जाने के आरोप लगाए थे। इसके बाद तदर्थ कमेटी ने भी पत्रकार वार्ता कर साफ किया था कि जाट धर्मार्थ सभा में किसी प्रकार की कोई राजनीति नहीं हो रही। सब कुछ एक्ट के अनुसार हो रहा है। आरोप लगाने वाले देवव्रत ढांडा भी खुद प्रधान रहे हैं लेकिन वे सभा को बताए कि उन्होंने समाज हित में क्या किया। तदर्थ कमेटी सदस्य किताब सिंह भनवाला ने जाट धर्मार्थ समिति के सदस्य देवव्रत ढांडा और उसके सहयोगी सदस्यों पर समाज को गुमराह करने का आरोप लगाए हैं।

आज नामांकन का अंतिम दिन, 10 को चुनाव

जाट धर्मार्थ सभा द्वारा चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी की जा चुकी है। 17 जुलाई को चुनाव अधिसूचना जारी हुई थी। वोटर लिस्ट को जाट धर्मार्थ सभा कार्यालय के बाहर नोटिस पर 18 जुलाई को चस्पा किया गया था। मतदाता सूची में संशोधन के लिए आपत्तियां 18 और 19 जुलाई को दर्ज की गई। आपत्तियों की जांच और निर्णय 19 से 31 जुलाई तक रहा। एक अगस्त को संशोधित मतदाता सूची को नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया गया। एक से तीन अगस्त तक नामांकन पत्रों को भर कर प्रस्तुत करने का शेडयूल रहेगा। तीन अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच एवं छंटनी होगी। 4 अगस्त को नामांकन वापस लिए जा सकते हैं। वैध नामांकन की सूची पांच अगस्त को जारी होगा। 5 अगस्त को ही चुनाव चिह्न आवंटित होंगे। 10 अगस्त को सुबह 10 से 4 बजे तक चुनाव जाट धर्मशाला में होगा।

जींद की स्काईलार्क फीड्स को योगी सरकार ने किया सम्मानित

- लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में दो करोड़ का चैक देकर किया सम्मानित।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। सम्मानित करते हुए।

उत्तर प्रदेश सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए जींद की स्काईलार्क फीड्स प्राइवेट लिमिटेड को दो करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। लखनऊ के उद्यान भवन में आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड की कार्यशाला में कृषि विदेश व्यापार व निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी राहुल मिश्रा को यह चेक सौंपा। राहुल मिश्रा ने बताया कि योगी सरकार की निवेशक, अनुकूल नीतियों और बेहतर कानून व्यवस्था के कारण उत्तर प्रदेश व्यापार के लिए देश का सर्वोत्तम राज्य बन गया है। स्काईलार्क समूह जो मुर्गी दाना और पशु आहार बनाने वाली एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कंपनी है ने उत्तर प्रदेश के अमेठीए प्रयागराज और एटा जिलों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। जिससे लगभग 500 युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। राहुल मिश्रा ने योगी सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह वित्तीय सहायता और सम्मान स्काईलार्क समूह के लिए गर्व का विषय है। योगी सरकार के एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के प्रयासों में लगी हुई है। जिसके लिए कंपनी को प्रोत्साहित किया है।

उचाना। खाद के लिए लाइन में लगे किसान। फोटो :हरिभूमि

यूरिया लेने के लिए किसानों की लगी लंबी लाइन

उचाना। शनिवार सुबह पुरानी मंडी में स्थित सरकारी दुकान पर यूरिया खाद मिलने की जानकारी मिलते ही किसान पुरानी मंडी पहुंचने शुरू हो गए। किसानों की खाद की दुकान पर लंबी कतार लग गई। क्षेत्र में रुक-रुक कर हो रही हल्की बारिश के कारण धान की फसल में यूरिया की आवश्यकता बढ़ गई है। हैफेड सेल्समैन सतीश के अनुसार उचाना में 1700 बैग यूरिया आए हैं। प्रत्येक आधार कार्ड पर 10 बैग यूरिया दिया जा रहा है। सभी किसानों को आधार कार्ड के माध्यम से बायोमैट्रिक सत्यापन के बाद ही यूरिया दिया जा रहा है। किसान बीरेंद्र, बलजीत, काला और दिनेश ने बताया कि इस बार किसान अपनी जरूरत के हिसाब से यूरिया खरीद रहे हैं। किसान अमित, श्यामा ने बताया कि उनके पास खेती की कम जमीन होने के कारण उन्हें केवल पांच-पांच बैग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल यूरिया की कोई कमी नहीं है। एक व्यक्ति को 10 बैग खाद मिल रही है। जिन किसानों के पास कम खेती है, वे कम यूरिया ले रहे हैं। हालांकि अधिक खेती वाले किसानों को यूरिया की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

मॉडल संस्कृति स्कूल के विद्यार्थी ने जीती साइंस टैलेंट प्रतियोगिता

- इरा इंटरनेशल स्कूल डूमरखां कलां द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में की प्रतिभागिता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

इरा इंटरनेशनल स्कूल डूमरखा कलां द्वारा आयोजित जूनियर साइंस टैलेंट प्रतियोगिता में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयए बेलरखा की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया।

अध्यापक प्रदीप जागलान ने बताया कि विद्यालय की कक्षा आठवीं की छात्रा पिंकी शर्मा पुत्री महेंद्र एवं लक्ष्मी सरोहा पुत्री राजेश कुमार ने प्रतियोगिता में विजेता बनकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया।

इस उपलब्धि पर प्रधानाचार्य बलजीत गोयत ने दोनों छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

नरवाना। बच्चों को सम्मानित करते हुए।

प्रधानाचार्य ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कठिन मेहनतए और विद्यालय के शानदार शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।

कमालपुर स्कूल में किया बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन

- सागर प्रथम, सारस द्वितीय व इशू तीसरे स्थान पर रहे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलायत

क्षेत्र के गांव कमलापुर में स्थित पी.एम. श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कक्षा कक्ष स्वच्छता और बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं को आकर्षक और रचनात्मक ढंग से सजाया।

विद्यालय के प्रिंसिपल सुनील जिंदल की अगुआई में गठित निर्णायक मंडल ने सभी कक्षाओं का अवलोकन किया। कक्षा स्वच्छता प्रतियोगिता में कक्षा 7वीं-ए प्रथम और कक्षा 7वीं-बी द्वितीय स्थान पर रही। इसके बाद आयोजित बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अनुपयोगी वस्तुओं से मनमोहक और सजावटी मॉडल बनाए, जिन्होंने उपस्थित दर्शकों का ध्यान खींचा। इस प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं के सागर ने प्रथम, छठी कक्षा के सारस ने द्वितीय और इशू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रिंसिपल सुनील जिंदल ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनकी रचनात्मकता की सराहना की।

कलायत। कमालपुर के राजकीय स्कूल में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में उपस्थित अध्यापक। फोटो :हरिभूमि

डिप्टी स्पीकर ने अपने आवास पर लगाया जनता दरबार

पारिवारिक विवाद सामाजिक चिंता का विषयः डॉ. मिड्ढा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण मिड्ढा ने शनिवार को अपने स्थानीय आवास पर जनता दरबार का आयोजन किया। जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिकों अपनी समस्याएं रखी। इस जनसुनवाई कार्यक्रम में बिजली, रोडवेज, पुलिस, आर्थिक सहायता, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षाए पारिवारिक विवाद और अन्य विभागीय मुद्दों से जुड़ी शिकायतों को लेकर प्रार्थी पहुंचे। डा. मिड्ढा ने अधिकांश समस्याओं को मौके पर ही संज्ञान में लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और त्वरित समाधान की प्रक्रिया प्रारंभ करवाई। उन्होंने कहा कि जनता से किया गया प्रत्येक वादा मेरे लिए एक दायित्व है और जनसेवा ही मेरे कार्य का मूल उद्देश्य है। जनता दरबार के दौरान पत्रकारों द्वारा बढ़ते अपराधों और कानून व्यवस्था से संबंधित प्रश्न पूछे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए डा. मिड्ढा ने कहा कि राज्य सरकार अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अधिकांश मामलों में पारिवारिक विवाद सामने आ रहे हैं, जो एक सामाजिक चिंता का विषय है। सरकार प्रत्येक अपराध को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्यवाही कर रही है। डा. मिड्ढा ने कहा कि जींद में बन रहे मेडिकल कॉलेज में आगामी समय में ओपीडी सेवाएं शुरू की जाएंगी ताकि अगले शैक्षणिक सत्र से नियमित दाखिले प्रारंभ किए जा सकें। मेडिकल कॉलेज से जुड़ी सभी आगामी प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएंगी।

जींद। जनता दरबार में समस्याएं सुनते हुए डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा।

ग्रामीणों ने जताया आभार

जनता दरबार में गांव अमरहेड़ी के ग्रामवासियों ने डिप्टी स्पीकर से भेंट कर उनके गांव को जगमग योजना से जोडऩे के लिए आभार व्यक्त किया। जनता दरबार शांतिपूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। दरबार में उपस्थित प्रार्थियों ने डिप्टी स्पीकर का आभार व्यक्त किया।

देश के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय की राजधानी शिलांग के उत्तर-पूर्व में खासी पहाड़ियों के बीच बसा मॉसिनराम गांव विश्व में सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता है। साल में लगभग आठ महीने बारिश से भीगने वाले इस गांव की अनेक विशेषताएं इसे दुनिया में अलग पहचान प्रदान करती हैं। क्यों होती है यहां इतनी बारिश, कैसे रहते हैं स्थानीय लोग वहां, विस्तार से जानिए।

टूरिस्ट स्पॉट / वीना गौतम

बादलों और बारिश का बसेरा
मॉसिनराम गांव

चाहे कोई शहर हो, कस्बा हो या फिर गांव, हर जगह की अपनी एक निजी पहचान, कुछ अलग विशेषता होती है। यही विशेषता उस स्थान विशेष को एक लैंडमार्क के रूप में स्थापित करती है। भारत में ऐसा ही एक स्थान है, मेघालय की राजधानी शिलांग में स्थित मॉसिनराम गांव।

सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान

आज से कुछ दशक पूर्व तक चेरापूंजी विश्व के सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता था। लेकिन अब मॉसिनराम को सर्वधिक वर्षा वाले स्थान का खिताब प्राप्त है। दरअसल, 1973 से 2019 के बीच मौसम विज्ञान के डेटा के मुताबिक चेरापूंजी में मॉसिनराम से 0.42 मिलीलीटर कम बारिश होने लगी थी। इस अंतर को देखते हुए सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का जो ताज चेरापूंजी के सिर पर हुआ करता था, वह मॉसिनराम नामक गांव के सिर पर सज गया।

इसलिए होती है सर्वाधिक बारिश

सवाल है आखिर मॉसिनराम में दुनिया की सबसे ज्यादा बारिश कैसे होती है? जबकि दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगहें आमतौर पर भूमध्य रेखा के आस-पास होती हैं। दुनिया में भौगोलिक रूप से देखा जाए तो सबसे ज्यादा बारिश दक्षिण अमेरिका, मध्य-पश्चिमी अफ्रीकी देशों और कुछ दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों में होती है। फिर मॉसिनराम ने दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश की बाजी कैसे मार ली? इसका जवाब है कि आमतौर पर मई से सितंबर तक यहां जो बारिश होती है, उसका सबसे बड़ा कारण इस गांव की अपनी खास भौगोलिक स्थिति है। शिलांग से लगभग 60 से 65 किलोमीटर दूर उत्तर पूर्वी दिशा में खासी पहाड़ियों के बीच बसा यह गांव अपनी विशेष स्थिति के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान पानी से भरी बदलियों का डेरा बन जाता है। खासी पहाड़ियों की खास स्थिति इन पानी से भरी बदलियों को आवभगत के लिए रोकती है और ठीक तभी बंगाल की खाड़ी से आने वाली गर्म और नम हवाएं इन्हें यहां झूमकर बरस जाने के लिए मजबूर कर देती हैं। 1491 मीटर ऊंची खासी पहाड़ियों के कारण ही इन बादलों की नमी संघनित होकर बारिश में बदल जाती है।

बांस के छाते से खुद को भीगने से बचाते स्थानीय लोग

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

हर वर्ष मई से सितंबर तक यहां प्रायः हर रोज कम से कम एक बार तो झूमकर बादल बरसते ही हैं। यही नहीं ये बादल दिन के ज्यादातर समय यहां डेरा डाले रहते हैं। पहले देश-विदेश के लोग चेरापूंजी इसलिए घूमने जाया करते थे कि यह भारत और दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह थी, उसी तरह अब लोग मॉसिनराम जाते हैं। पर्यटकों की वजह से यहां के लोगों के आय का स्रोत भी थोड़ा बढ़ा है। चेरापूंजी के सिर से हालांकि सर्वाधिक बारिश वाला ताज तो इसके पड़ोसी मॉसिनराम ने छीन लिया, लेकिन आज भी चेरापूंजी दुनिया में दूसरे नंबर के सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह बनी हुई है। मॉसिनराम का मौसम सालभर ठंडा और ह्यूमिड यानी नमी वाला रहता है। हां, इसके बावजूद यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए पर्यटकों को आकर्षित करती है। यही कारण है कि शिलांग या चेरापूंजी घूमने का कार्यक्रम बनाने वाले लोग अब मॉसिनराम को भी अपने पर्यटन शिड्यूल शामिल करते हैं। क्योंकि यह भारत के नक्शे में एक विशिष्ट लैंडमार्क है।

ये खूबियां बनाती हैं खास

दुनिया का सर्वाधिक नम स्थान भी है मॉसिनराम

इस गांव की अपनी कई और खूबियां भी हैं। हर समय बारिश होने के कारण यहां पानी में उगने वाली कई पत्तेदार सब्जियां खूब मिलती हैं। कई तरह के मौसमी फल भी यहां खूब मिलते हैं। पानी भरपूर होने के कारण मछलियां भी खूब पाई जाती हैं। देश के दूसरे हिस्सों में जब बारिश होती है तो आमतौर पर जनजीवन ठहर सा जाता है। लेकिन मॉसिनराम गांव में ऐसा नहीं होता। यहां के लोग बारिश के बीच चलते-फिरते और घूमते रहते हैं। यहां के बाशिंदे बारिश के समय भीगने से बचने के लिए खास तरह के बांस के बने छातों का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें कनूप कहते हैं। यह कनूप सिर्फ यहां की ही नहीं चेरापूंजी की भी पहचान है। दरअसल, इससे यहां के लोगों का कमर तक शरीर ढका रहता है और वे अपने सारे काम करते रहते हैं।

इसके नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

मॉसिनराम के पास दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। यहां पूरे साल में करीब 6 से 8 महीने लगभग हर दिन एक बार बारिश होती है और यहां देश के किसी भी बाकी हिस्से से लगभग 10 गुना ज्यादा बारिश होती है। एक साल में लगभग 11,871 मिलीमीटर। इतनी ज्यादा बारिश दुनिया में और कहीं नहीं होती। मॉसिनराम गांव, दुनिया में सबसे गीली जगह भी है। यहां पर 'वेटेस्ट प्लेस ऑफ अर्थ' का साइन बोर्ड भी लगा हुआ है।

हालांकि मॉसिनराम के दावे को चुनौती देने के लिए कुछ सालों पहले कंबोडिया के एक शहर यूरो ने दावा किया था कि उसके यहां साल में 12,717 मिलीलीटर बारिश होती है, लेकिन जब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा उसके दावे की जांच की गई, तो यह गलत पाया गया। माना गया कि शायद बारिश को नापने का उसका पैमाना, पुराना और पारंपरिक है, जिससे उनसे यह गलतफहमी हुई। *

वास्तव में जीरो नहीं होता है
लोन पर जीरो इंटरेस्ट

आकर्षक डिस्काउंट, जीरो इंटरेस्ट पर लोन जैसे प्रलोभनों के जाल में अकसर लोग फंस जाते हैं। इन ऑफर्स या लोन पर सामान खरीदना क्या वास्तव में फायदेमंद होता है? इसकी हकीकत आपको पता होनी चाहिए।

मनी मैटर्स
शिखर चंद जैन

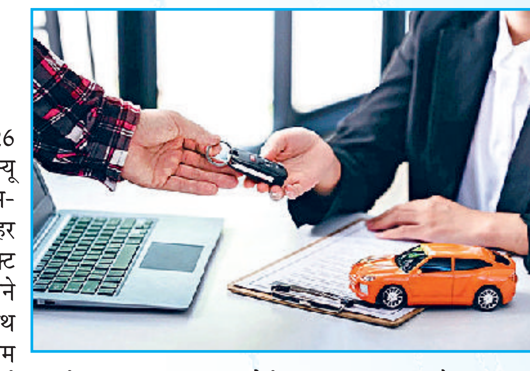

चाहे 15 अगस्त हो या 26 जनवरी, क्रिसमस हो या न्यू ईयर, वैलेंटाइन-डे हो, वूमेंस-डे हो, दीपावली हो या होली, प्रायः हर फेस्टिवल, खास ऑकेजन पर प्रोडक्ट निर्माता कंपनियां अपने ग्राहकों को लुभाने के लिए तरह-तरह के ऑफर्स देती हैं। साथ ही कई डीलर या उनके साथ मिलकर काम करने वाले फाइनेंसर 'जीरो इंटरेस्ट' ईएमआई पर घरेलू उपकरण देने की पेशकश भी करते हैं। अकसर ग्राहक ऑफर्स के ऐसे भ्रम जाल में फंस जाते हैं।

जीरो इंटरेस्ट का फंडा: ईएमआई या लोन पर घरेलू सामान या मशीनरी की खरीद करते समय अच्छी तरह जान लें कि डीलर या फाइनेंसर मुफ्त समाज सेवा करने के लिए नहीं बैठा है। वे अपनी रकम के बदले ब्याज वसूल करते हैं। जीरो इंटरेस्ट के पीछे एक चतुराई भरा हिसाब-किताब होता है। पहली बात, नकद खरीद में एकमुश्त पैसा देकर खरीदने पर इलेक्ट्रिक आइटमों पर काफी डिस्काउंट दिया जाता है, जो ब्रांड और सामान की क्वालिटी पर निर्भर करता है। कई बार तो यह एमआरपी पर 40 फीसदी तक भी हो सकता है। लेकिन जब आप किश्तों पर सामान खरीदते हैं, तो सारा हिसाब-किताब एमआरपी के हिसाब से ही किया जाता है। मामूली डिस्काउंट दे भी दिया जाए, तो एडमिनिस्ट्रेशन या सर्विस चार्ज के नाम पर आपसे वसूली कर ली जाती है। साथ ही आप खरीददारी के वक्त जो डाउन पेमेंट देते हैं, वो हाथों-हाथ देने के बावजूद उस पर भी ब्याज जोड़ लिया जाता है। याद रखें, 'जीरो इंटरेस्ट' का ऑफर, प्रायः प्रोडक्ट की सेल बढ़ाने का मात्र एक तरीका होता है। सच तो यह है कि ज्यादातर फाइनेंस करने वाला, लोन की रकम पर पूरा ब्याज वसूलता है। लोन पर या किश्तों पर घरेलू उपकरण खरीदना अधिकांश मामलों में घाटे का सौदा ही होता है।

ऐसे भी मिल सकता है डिस्काउंट: कई बार डीलर आपको काफी डिस्काउंट और बहुत कम एडमिनिस्ट्रेटिव फीस में भी ईजी इंस्टॉलमेंट पर सामान देने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसा करने के पीछे कुछ कारण होते हैं। जैसे- सामान को स्टॉक में रखने और हैंडल करने की बजाय बेचने में लाभ, वैसे गैजेट्स या उपकरण का कोई नया मॉडल बाजार में आ चुका हो या आने वाला हो, जिससे उसकी मांग में गिरावट आ सकती हो, काफी दिनों से स्टॉक में रहने के बावजूद उस मॉडल की बाजार में खास मांग न आ रही हो। इन स्थितियों में उपकरण की लाइफलाइन बहुत कम हो जाती है और रीसेल वैल्यू भी गिर जाती है। इसलिए प्रोडक्ट की पूरी जानकारी लेकर ही उसे खरीदें।

इन बातों पर विचार कर लें: अगर आपको लोन या किश्तों पर सामान खरीदना ही हो, तो डीलर से कंज्यूमर लोन लेने की बजाय दूसरे विकल्पों पर विचार करके देखें। अगर आपके अपने बैंक डिपॉजिट पर कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा हो या उससे कम ब्याज दर पर पर्सनल लोन मिल रहा हो, तो उस पर विचार करें। क्रेडिट कार्ड पर सामान खरीदना तो कई बार और भी महंगा ऑप्शन साबित हो सकता है।

समझें जरूरत-दिखावे का अंतर: कई बार लोग जरूरत न होने पर भी देखा-देखी या दिखावे के चक्कर में अनावश्यक घरेलू सामान खरीद लेते हैं। यहां ध्यान देने की बात यह है कि घरेलू सामान या उपकरणों की रीसेल वैल्यू बहुत कम होती है। साथ ही इन प्रोडक्ट्स का लाइफ स्पैन भी काफी कम होता है। इसलिए ये सामान तभी खरीदें, जब आपको इनकी जरूरत हो। जीरो इंटरेस्ट के छलावे में आकर सिर्फ दिखावे के लिए ऐसे सामानों की खरीद, आपके घरेलू बजट पर बुरा असर डाल सकती है।

तुलनात्मक लाभ को समझें: अगर आप अपने पास पर्याप्त रकम होने के बावजूद लोन पर सामान खरीद रहे हैं, तो ऐसा करना तभी ठीक होगा जब आप अपनी रकम को किसी ऐसी जगह निवेश कर रहें हों, जहां से तुलनात्मक रूप से आपको ज्यादा रिटर्न (फायदा) मिल सकता है। ऐसी स्थिति में आप फायदे में रहेंगे। अन्यथा लोन लेना सही नहीं रहेगा। *

दायित्व
विजय सिंह चौहान

जब हम किसी के लिए कुछ अच्छा या उसकी मदद करते हैं तो इससे उस जरूरतमंद इंसान का भला तो होता ही है, हमें भी संतुष्टि मिलती है। इसलिए ऐसे अवसर को कभी न गवाएं।

जितना हो सके संभव
बनें किसी का सहारा

एक वृक्ष बिना किसी अपेक्षा के हमें छाया देता है, फल-फूल देता है, लकड़ी और प्राण वायु तक देता है। वह न तो कुछ संजोता है और न ही प्रतिदान की आकांक्षा रखता है। उसका समर्पण पूर्णतः निःस्वार्थ होता है। पेड़ ही नहीं पूरी प्रकृति हमें देना, दूसरों का भला करना सिखाती है। प्रकृति का मौन संदेश है-सब कुछ देकर भी विनम्र बने रहना।

हम समझें अपना दायित्व: मानव होने के नाते हमारा भी यह उत्तरदायित्व बनता है कि हम समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को जानें, समझें और उन्हें निभाएं। किसी भटके को राह दिखाना, लड़खड़ाते को थाम लेना, निराश को आशा देना-एक इंसान, एक सामाजिक प्राणी होने के नाते हमारा सामाजिक दायित्व है।

मनुष्य होने की सार्थकता: जब भी किसी जरूरतमंद की मदद करने की बात आती है, तो कई लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है, 'मैं ही क्यों मदद करूं?' जरा ध्यान से सोचें, तो इस प्रश्न का उत्तर हमें स्वयं ही मिल जाएगा। आज हम आभासी दुनिया में उलझे हुए हैं, मानवीय संवेदनाएं सूखती जा रही हैं। हम समस्याओं को पहचानते हैं, उन पर चर्चा भी करते हैं, पर रुक कर किसी की सहायता करना जैसे भूलते जा रहे हैं। यदि हमारा छोटा-सा प्रयास, हमारी थोड़ी-सी मदद किसी के जीवन में रोशनी भर सकती है, तो हमें इस तरह के प्रयास जरूर करने चाहिए। ऐसा न करके हम एक जरूरतमंद-लाचार को मदद से वंचित तो रखते ही हैं, साथ ही यह एक इंसान के रूप में स्वयं से भी छल है। मनुष्य वही है, जो मनुष्य के काम आए। इसलिए अगर आप समर्थ हैं तो आपको अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की मदद जरूर करनी चाहिए। ध्यान रखें, वास्तविक परोपकार केवल दान-पुण्य तक सीमित नहीं होता। यह एक सोच है, एक जीवनशैली जो हमें 'मनुष्य' होने के सही अर्थ से जोड़ती है।

हम क्या कर सकते हैं: अगर मन में परोपकार की सच्ची भावना है, तो हम कई तरह से किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते हैं। किसी निर्धन बालक की शिक्षा में सहयोग करें, उसे किताबें दें या थोड़ा-सा समय निकाल कर स्वयं पढ़ाएं। ज्ञान का दीपक एक बार जल जाए, तो वह अनेक दीपों को रोशन कर सकता है। अगर आपके पास आर्थिक संसाधन सीमित हों तो तन से सेवा करें। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, अस्पतालों या वृद्धाश्रमों में सहयोग कर सकते हैं। रक्तदान जैसे महादान के माध्यम से भी हम मानव सेवा या परोपकार कर सकते हैं।

व्यवहार से परोपकार: आप अपनी वाणी, अपने व्यवहार से भी किसी को उपकृत कर सकते हैं, किसी का संबल बन सकते हैं। आज असंख्य लोग अवसाद और अकेलेपन से जूझ रहे हैं, विशेष रूप से हमारे बुजुर्ग। ऐसे में अपनत्व भरे दो शब्द उनके जीवन की संध्या में उजास भर सकते हैं। किसी बुजुर्ग का हाथ थाम लेना, उनकी मन की सुन लेना, यह छोटा-सा आत्मीय व्यवहार उनके लिए अमूल्य हो सकता है।

कर सकते हैं सार्थक प्रयास : सेवानिवृत्त हो चुके बुजुर्ग और कुशल युवा, समाज के जरूरतमंद तबकों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने अनुभव और ज्ञान से वे जरूरतमंद युवाओं और किशोरों को आत्मनिर्भर बनने में मार्गदर्शन दे सकते हैं। उनकी यह सेवा तात्कालिक नहीं, दीर्घकालिक प्रभाव वाली होगी।

दीर्घकालिक संस्कार: जब हम यह सोचने लगते हैं, 'मैं समाज को क्या दे सकता हूं?' तभी हम सच्चे अर्थों में मनुष्यत्व के नजदीक पहुंचते हैं। हमारा एक छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन में आशा बनकर खिल सकता है। वास्तव में, परोपकार कोई क्षणिक भाव नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संस्कार है। तो आइए समाज को कुछ देने का हर संभव प्रयास करें। *

जानकारी
सुनील कुमार महला

अब कम सुनाई देती है
झींगुरों की झांय-झांय!

बारिश के मौसम में ग्रामीण या पेड़-पौधों से भरे इलाकों में सूरज ढलते ही झींगुरों की झांय-झांय सुनाई देने लगती है। कभी-कभी तो दिन के समय भी जब बारिश के कारण मौसम में ठंडक होती है, वातावरण झांय-झांय की आवाज से गूंजने लगता है। लेकिन शहरों में झींगुरों के बारे में देखने-सुनने को नहीं मिलता। आखिर इसके पीछे कारण क्या हैं?

कम होने के कारण: बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, तीव्र विकास, ग्लोबल वार्मिंग के कारण जंगलों का घनत्व कम होता जा रहा है। इंसानी शोर बढ़ने से ही झींगुरों की झांय-झांय पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। इस संबंध में कुछ समय पहले एक शोध के नतीजे बीएमसी इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन जर्नल में प्रकाशित हुए थे। इसके मुताबिक इंसानों के बढ़ते शोर से न सिर्फ झींगुरों का संगीत मंद पड़ा है, बल्कि उनका जीवन काल भी घट गया है।

ऐसे उत्पन्न होती है आवाज: नर झींगुर अपनी विशेष आवाज (झांय-झांय) के लिए जाने जाते हैं। यह ऐसी ध्वनि होती है, जो उनके पंखों के घर्षण से उत्पन्न होती है, जिसे स्ट्रिड्यूलेशन कहते हैं। दरअसल, इस तरह की ध्वनि के दो उद्देश्य होते हैं। एक, यह मादा झींगुरों को आकर्षित करता है और दूसरा इसके जरिए अन्य नर झींगुरों के बीच क्षेत्रों को निर्धारित करते हैं। ये मुख्य रूप से रात में सक्रिय रहते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण: झींगुर विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों में मुख्य रूप से अपघटन, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थों को खाते हैं, जिससे पोषक तत्वों को वापस मिट्टी में मिलाने में मदद मिलती है। दूसरे शब्दों में कहें तो झींगुर मृत पौधों और जानवरों के अवशेषों को खाते हैं, जिससे वे छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं और हमारे पर्यावरण में अपघटन की प्रक्रिया में मदद करते हैं। अपघटन की क्रिया से झींगुर विभिन्न पोषक तत्वों को मिट्टी में या इस धरती पर वापस छोड़ते हैं। *

फिल्म-ट्रेंड
हेमंत पाल

बॉलीवुड में जिन रिश्तों या भावनाओं को आधार बनाकर कई सफल फिल्में बनीं, उनमें से एक दोस्ती भी है। इन फिल्मों को दर्शकों ने भी खूब पसंद किया। दोस्ती के अलग-अलग रंगों से सजी कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब नजर आए हैं
दोस्ती के अलग-अलग रंग

'दोस्ती' ने कायम की फिल्मी दोस्ती की मिसाल

'सौदागर' में दिखी राजकुमार-दिलीप कुमार की दोस्ती

हम सभी की जिंदगी में दोस्त बहुत अहमियत रखते हैं। यही वजह है कि जिंदगी के अलग-अलग शेड्स को सिल्वर स्क्रीन पर पेश करने वाले फिल्मकारों ने भी दोस्त और दोस्ती की फीलिंग पर कई यादगार फिल्में बनाई हैं। हिंदी फिल्मों के शुरुआती दौर से कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें दोस्ती के रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती के साथ पेश किया गया। दोस्ती पर आधारित ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला।

मील का पत्थर बनी 'दोस्ती': जब भी दोस्त और दोस्ती पर बनी फिल्मों का जिक्र होता है, 1964 में राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' के बिना बात पूरी नहीं होती। अपने समय की यह सुपरहिट फिल्म थी। फिल्म में शारीरिक रूप से अक्षम दो गरीब दोस्तों रामू और मोहन की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में रामू (सुशील कुमार सोमैया) पैर से अक्षम होता है और मोहन (सुधीर कुमार सावंत) की आंखें नहीं होती हैं। वे दोनों एक-दूसरे के साथ मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं। दोस्ती जैसे विषय पर बनी फिल्मों के बीच एक मील का पत्थर है यह फिल्म। उसके बाद तो दोस्ती की मिसाल वाले इस विषय को कई बार घुमा फिराकर परोसा जाता रहा। 'दोस्त', 'खुदगर्ज' 'चश्मेबद्दूर' और 'काई पो चे' में दोस्ती को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया।

इन कलाकारों ने कई फिल्मों में निभाई दोस्ती: बॉलीवुड के बिग बी यानी अमिताभ बच्चन की कई फिल्मों का केंद्रीय विषय दोस्ती रहा। 'जंजीर', 'शोले', 'नमक हराम', 'हेराफेरी', 'शान', 'सुहाग', 'दोस्ताना', 'मुकद्दर का सिकंदर' जैसी फिल्मों को याद कीजिए। इन सभी सफल फिल्मों में अमिताभ और अन्य कलाकारों के बीच की दोस्ती के विभिन्न रंगों को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया। 'हेराफेरी', 'मुकद्दर का सिकंदर' में अमिताभ और विनोद खन्ना की दोस्ती दिखाई गई। 'दोस्ताना' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अमिताभ की दोस्ती मिसाल के रूप में याद की जाती है। 'शोले' में जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू (धर्मेंद्र) की दोस्ती को कौन भूल सकता है भला! अमिताभ और धर्मेंद्र की दोस्ती बाद में 'चुपके-चुपके' और 'राम बलराम' जैसी फिल्मों में भी दिखी। राजेश खन्ना के साथ अमिताभ ने 'आनंद' और 'नमक हराम' में दोस्ती को जीवंतता दी। शशि कपूर के साथ 'ईमान धरम' और 'सुहाग' जैसी फिल्मों में अमिताभ ने यही दोस्ती निभाई।

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में दिखी नए दौर की दोस्ती

धर्मेंद्र भी उन कलाकारों में हैं, जिन्होंने कई एक्टर्स के साथ फिल्मी दोस्ती का किरदार अदा किया। फिल्मों में धर्मेंद्र की दोस्ती शत्रुघ्न सिन्हा और विनोद खन्ना के साथ कई बार बनी। इनके अलावा अनिल कपूर-जैकी श्रॉफ, अक्षय कुमार-सुनील शेट्टी और संजय दत्त-गोविंदा की दोस्ती पर बनी फिल्मों को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया।

दोस्ती और प्रेम त्रिकोण: दोस्ती और प्रेम त्रिकोण पर आधारित कई हिंदी फिल्में बनीं और सफल हुईं।

'शोले' में जय-वीरू की यादगार दोस्ती

दो दोस्तों की दोस्ती के बीच एक लड़की आ जाती है। फिर या तो गलतफहमी पनपती है या प्रेम त्रिकोण बन जाता है। क्लाइमैक्स में या तो गलतफहमी दूर हो जाती है या फिर एक दोस्त का त्याग सामने आता है। इस तरह की फिल्मों का चलन शायद राज कपूर, राजेंद्र कुमार की फिल्म 'संगम' से शुरू हुआ था। आगे चलकर इस तरह की कई फिल्में बनीं और सफल हुईं।

यादगार है 'सौदागर' की दोस्ती: 1991 में सुभाष घई ने फिल्मी दुनिया के दो दिग्गजों दिलीप कुमार और राज कुमार को दोस्ती की डोर में बांधा और फिल्म बनाई-सौदागर। इस फिल्म की गिनती दोस्ती पर आधारित श्रेष्ठ फिल्मों में होती है।

दिखे दोस्ती के कई रूप: हर दौर में दोस्ती के आधार पर बनाई गई फिल्मों में दोस्ती के अलग-अलग रूप नजर आते रहे हैं। 'दिल चाहता है' तीन दोस्तों, आकाश (आमिर खान), समीर (सैफ अली खान) और सिद्धार्थ (अक्षय खन्ना) की कहानी है, जो अपनी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरते हुए दोस्ती के महत्व को समझते हैं। '3 इडियट्स' तीन इंजीनियरिंग छात्रों की कहानी है, जो अपनी पढ़ाई, करियर और जीवन के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण रखते हैं, पर उनकी दोस्ती बनी रहती है। 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' तीन दोस्तों की कहानी है जो बैचलर पार्टी के लिए स्पेन जाते हैं और वहां अपनी दोस्ती के नए आयाम ढूंढते हैं। बीते कुछ दशकों में ऐसी फिल्में भी बनाई गईं, जिनमें दोस्ती तो थी, पर फिल्म का केंद्रीय विषय कुछ और ही था। 'रंग दे बसंती', 'कुछ-कुछ होता है', 'दिल तो पागल है' और 'चश्मे बद्दूर' जैसी फिल्मों को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। कहने का सार है कि दोस्ती पर फिल्म बनने का सिलसिला आज भी जारी है। जिसे दर्शक पसंद भी खूब करते हैं। *

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 3 अगस्त 2025

मित्रता दिवस आज

बाकी सारे रिश्ते तो हमें जन्म से मिलते हैं, एक दोस्ती का रिश्ता हम खुद ही बनाते हैं। स्वार्थ से परे, सुख-दुख पर हमेशा साए की तरह मौजूद रहने वाला यह रिश्ता हमारे लिए सबसे अधिक मायने रखता है। भले ही समय के साथ इसका स्वरूप बदल गया हो लेकिन आज भी यह उतना ही मूल्यवान है।

सबसे प्यारा-अनमोल दोस्ती का रिश्ता

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

इस दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं। कुछ हमारे परिवार के सदस्य होते हैं, कुछ रिश्तेदार। कुछ हमसे प्रेम करते हैं तो कुछ हमसे ईर्ष्या करते हैं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो बिना किसी फायदे के जरूरत पड़ने पर हमारी हर संभव मदद करने को सदैव तत्पर रहते हैं। हमें जीवन का सही मार्ग दिखाते हैं। दुख और मुश्किल समय में साथ खड़े होते हैं। उन्हें ही हम दोस्त कहते हैं। यह दोस्ती हमारे आपसी विश्वास और आस्था पर टिकी होती है।

स्वार्थ से परे आत्मीय रिश्ता: किसी ने कहा है, 'मुझे अपने मित्रों के बारे में बताइए, मैं आपके व्यक्तिव के बारे में बता दूंगा।' वास्तव में आपके दोस्त किस तरह के हैं, वह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि आपका जीवन में क्या लक्ष्य है? आपका चरित्र कैसा है, आपकी सोच कैसी है?

सच में, धन-दौलत तो बहुत से लोग कमा लेते हैं। लेकिन दोस्ती जैसा सच्चा धन हर कोई नहीं कमा पाता। इस दुनिया में हर इंसान को एक ऐसे शख्स की जरूरत होती है, जिसे वह अपनी दिल की बातें बेझिझक बता सके। इसलिए दोस्त वो होता है, जिस पर आंख बंद कर भरोसा किया जा सके। दोस्तों के बीच स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। न ही दोस्ती किसी की जाति, पंथ या धर्म देखती है।

पुराणों-इतिहास में मित्रता: हिंदू पौराणिक कथाओं में मित्रता के कई आदर्श उदाहरण देखे जा सकते हैं। जैसे, भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा, वानर राज सुग्रीव एवं भगवान श्रीराम, श्रीराम एवं विभीषण की मित्रता हमारे लिए आज भी आदर्श हैं। इतिहास पर नजर डालें तो 19वीं सदी के शुरुआती दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और मोहम्मद अली जिन्ना बहुत अच्छे दोस्त हुआ करते थे। वे अकसर घर-सार्वजनिक स्थलों पर मिलकर अंग्रेजों को देश से खदेड़ने के तरीकों पर चर्चा करते थे। मुगल

काल में छत्रपति शिवाजी और तानाजी भी बचपन के दोस्त थे। बाल्यकाल से ही दोनों मुगलों के अधीन किलों पर विजय पाने की रणनीति बनाया करते थे। जैसे-जैसे दोनों बड़े हुए, शिवाजी ने तानाजी की मदद से कई लड़ाइयां जीतीं और तानाजी उनके योद्धा सेनापति बन गए। इस तरह उन्होंने आजीवन अपनी दोस्ती की मिसाल कायम की। उनकी दोस्ती इतिहास में अमर हो गई।

होता है मार्गदर्शक : दोस्ती का संबंध ही ऐसा होता है कि वे सदा एक-दूसरे के लिए मौजूद रहते हैं। अपने दोस्त का हित करने के लिए व्यक्ति उसकी नाराजगी भी झेलने को तैयार रहता है। एक सच्चा दोस्त हमेशा अपने दोस्त का सबसे बड़ा शुभचिंतक होता है, उसका मार्गदर्शक होता है। हो सकता है कि किसी समय कुछ देर के लिए अपने मित्र की बातें या कार्य आपको उचित न लगें। लेकिन कभी न भूलें कि सच्चा मित्र हर स्थिति में आपका हित ही चाहता है। अगर वह कोई कार्य करने से आपको रोकता है तो उसमें जरूर आपका हित ही होगा। हो सकता है उसका मनोभाव आपको कुछ समय बाद समझ में आए।

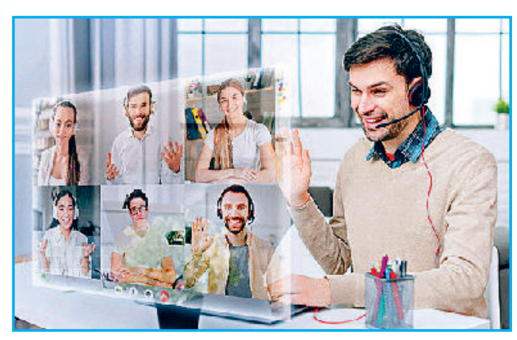

मित्रता पर भी पड़ा तकनीकी प्रभाव: पिछले दो-तीन दशकों में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारणों से मित्रता में काफी बदलाव आया है। 20 वीं सदी तक दोस्ती खतों और आमने-सामने की मुलाकातों के जरिए कायम रहती थी। फिर टेलीफोन और बाद में इंटरनेट ने संपर्क बनाए रखना आसान बना दिया। इक्कीसवीं सदी में टेक्स्ट मैसेज, सोशल मीडिया और वीडियो कॉल के जरिए संवाद होने लगा। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म ने तो दोस्ती बनाने और निभाने के तरीके को पूरी तरह बदल कर रख दिया। इनसे लोग दुनिया भर में एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं। हालांकि इसमें ज्यादातर रिश्तों में गहराई नहीं होती। कह सकते हैं कि दोस्ती की परिभाषा व्यापक हो गई है। आज दोस्ती पारंपरिक बाधाओं को पार करते हुए अधिक विविध और समावेशी तरीकों से विकसित हो सकती है। बहरहाल, समय और दौर कोई भी हो, दोस्ती आज भी दो इंसानों के बीच सबसे प्यारा और अनमोल रिश्ता होता है। *

दोस्ती से बेहतर रहता है मानसिक स्वास्थ्य

पल्लवी प्रकाश
साइकोलॉजिस्ट -मोटिवेशनल कोच

अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी दोस्ती का बहुत अधिक महत्व होता है। दोस्त, भावनाओं को व्यक्त करने, समस्याओं को साझा करने और सलाह लेने के लिए एक आत्मीय साथ प्रदान करता है। इस भावनात्मक समर्थन से तनाव, चिंता और उदासी सभी को कम किया जा सकता है। फ्रेंडशिप नेटवर्क का हिस्सा होने से व्यक्ति जुड़ाव और खुद को मूल्यवान महसूस करता है। यह अपनेपन की भावना मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और उसे अकेलेपन, अलगाव की भावनाओं से बचा सकती है। दोस्त नियमित व्यायाम, संतुलित आहार जैसी स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करके और धूम्रपान या अत्यधिक शराब पीने जैसे हानिकारक आदतों से बचाकर व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

बॉलीवुड में दोस्ती

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ बदला है। एक ऐसी इंडस्ट्री जो अधिकतर बिजनेस बेनिफिट और स्वार्थ के लिए जानी जाती है। उस माहौल में भी कई स्टार्स की दोस्ती एक मिसाल की तरह है। जैसे, करीना-अमृता-मलाइका की एक दशक से भी ज्यादा पुरानी दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत और अटूट बनी हुई है। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, अनन्या पांडे और शनाया कपूर बचपन की दोस्त हैं। अनन्या, शनाया को सोल सिस्टर कहती हैं। अभिनेता रणबीर कपूर और निर्देशक अयान मुखर्जी का ब्रोमांस इंडस्ट्री में बेहद चर्चित है। सलमान खान और अजय देवगन भी वर्षों से पक्के दोस्त हैं। इस बारे में अजय कहते हैं, 'सलमान और मैं एक ही समय पर इंडस्ट्री में आए थे। पिछले 25 सालों से हमारी दोस्ती बरकरार है।'

सेल्फ मोटिवेशन
राजयोगी बीके निकुंज जी

हमेशा साथ रहता है हमारा सच्चा मित्र

यह सही है कि आज के दौर में सच्चा मित्र मिलना बहुत कठिन है। बिना किसी स्वार्थ के हमेशा साथ रहने वाला सच्चा मित्र। ऐसे ही सच्चे मित्र की तरह ईश्वर भी हमेशा हमारे साथ रहता है।

जरूरत के वक्त जो साथ दे, वही सच्चा मित्र होता है। यह पुरानी कहावत आज भी उतनी ही सच है, जितनी वर्षों पहले थी। जीवन के किसी न किसी मोड़ पर हम सभी ने इसे अनुभव किया है, कभी किसी अजनबी से, तो कभी उस शख्स से जिससे हमें कोई उम्मीद नहीं थी। लेकिन आज, जब हमारे जीवन में रिश्तों से ज्यादा 'कांटेक्ट्स' हैं, और मित्र बस केवल स्क्रीन पर दिखाई देने वाले नाम बनकर रह गए हैं, तब यह सवाल जरूरी हो गया है कि मित्रता वास्तव में हमारे लिए क्या मायने रखती है?

हर रिश्ते से ऊपर: जब आप आंखें बंद करके खुद से यह पूछते हैं कि मेरे जीवन में कौन वास्तव में मायने रखता है? तो आपका ध्यान शायद उस व्यक्ति की ओर नहीं जाता, जिसने आपको योग्य सलाह दी। बल्कि उस व्यक्ति को मन याद करता है, जो उस समय चुपचाप आपके कंधे पर हाथ रखकर पास बैठा रहा, जब आपकी दुनिया बिखर रही थी। जी हां! मित्रता वही रिश्ता है, जो न खून के रिश्ते से बंधा होता है, न शर्तों पर टिका होता है। एक सच्चा मित्र आपको वैसे ही स्वीकार करता है, जैसे आप हो न कि जैसे वह आपको देखना चाहता है। शायद इसलिए ही परिवार या रिश्तेदार से ऊपर हम हमेशा मित्रता को रखते हैं क्योंकि यही एक ऐसा रिश्ता है, जो हम अपनी पसंद से चुनते हैं।

बनता है आत्मिक संबंध: एक सच्चा मित्र शायद हमसे हमारी पसंद की बात हमेशा कह न पाए, लेकिन उसकी बात सीधे दिल तक पहुंचती है और इसीलिए उस व्यक्ति के साथ हमें एक आत्मीयता सी महसूस होती है, जो न किसी तर्क पर टिकी होती है, न किसी प्रयोजन पर। जब यह जुड़ाव दोनों ओर से होता है, जब आत्माएं एक-दूसरे को पहचानें और सम्मान दें, तब एक सुंदर संबंध का जन्म होता है। एक ऐसा संबंध, जो जीवन भर और शायद उसके बाद भी बना रहता है।

सच्ची नहीं आभासी मित्रता: आज बदलते युग में मित्रता का अर्थ बदलता जा रहा है। आज हम सहकर्मी, सहपाठी, जिम के साथी या सोशल मीडिया फॉलोअर्स को भी मित्र कह देते हैं। लेकिन साथ रहना और दिल से जुड़ना इन दोनों में बड़ा फर्क है। फेसबुक फ्रेंड होना, इंस्टाग्राम पर जन्मदिन की बधाई देना, ये सब असली मित्रता नहीं है। सच्ची मित्रता वहां होती है, जहां भावनात्मक समानता होती है, दिल से दिल का रिश्ता होता है, जहां न अहं होता है और न किसी भी प्रकार की अपेक्षा।

सवाल उठता है कि तो कौन होता है सच्चा मित्र? एक ऐसा व्यक्ति जिसके समक्ष आप बिना किसी मुखौटे के अपने मूल रूप में रह सकें, बिना कुछ छुपाए, बिना कुछ साबित किए। जो आपके दोषों को जानकर भी आपका साथ न छोड़े। जो शब्दों से नहीं, मौन से भी दिल तक पहुंच जाए और एक हल्के से स्पर्श या दृष्टि से आपको यह जता दे 'मैं यहीं हूं तुम्हारे साथ।' आज के इस तेज रफ्तार जीवन में, सबसे दुर्लभ बात है, उपलब्धता। वर्तमान काल में ऐसा कोई है, जो बिना विचलित हुए बस आपकी बात सुने? है कोई ऐसा? आजकल तो सभी से ज्यादातर, 'थोड़ी देर बाद बात करते हैं', फिर से कॉल करता हूं', 'थोड़ा बिजी हूं' यही सब सुनने को मिलता है, जो भावनात्मक दूरी की नई भाषा बन चुके हैं। इसीलिए इस बात से कोई इंकार नहीं करेगा कि आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां रिश्ते भी सुविधाओं के अनुसार चलते हैं। जब जरूरत हो, तब याद किया जाता है। जब हम किसी के काम के नहीं रहते, तो भुला दिए जाते हैं।

ईश्वर होता है हमारा परममित्र: आज के समय में ऐसा मित्र मिलना मुश्किल है, जो बिना किसी अपेक्षा के, बिना किसी शर्त के साथ दे। मैंने अपने अनुभव में पाया कि सबसे स्थायी, सबसे निःस्वार्थ मित्रता मुझे इंसानों में नहीं, बल्कि किसी और में मिली, सर्व शक्तिमान परमात्मा में। जी हां, उस दिव्य सत्ता में जिसे आप भगवान, ईश्वर, खुदा, सर्वोच्च आत्मा या सिर्फ मेरा सबसे प्यारा मित्र कह सकते हैं। हम प्रार्थना में अकसर उसे पिता, माता, गुरु या मार्गदर्शक कह कर पुकारते हैं। लेकिन क्या कभी आपने उससे एक मित्र की तरह बात की है? बिना किसी औपचारिकता, बिना किसी रीति-नीति के, बस सीधे दिल से? एक बार कोशिश कीजिए। जैसे अपने सबसे करीबी दोस्त से आप बात करते हैं, वैसे ही उनसे भी करिए, बिना कोई डर, बिना संकोच। फिर देखना आप अंदर ही अंदर महसूस करेंगे एक ऐसी शांति, ऐसा सुकून, जो किसी मानवीय रिश्ते में नहीं मिलता। उसका प्रेम प्रदर्शन पर नहीं अपितु उपस्थिति पर आधारित है। बस उसे दिल से याद कीजिए और वो आपकी हर धड़कन में मौजूद मिलेगा। *

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

अच्छे दोस्त मिलना सौभाग्य की बात है। इससे जिंदगी गुलजार हो जाती है। इसलिए किसी को अपना घनिष्ठ दोस्त बनाने से पहले उसमें मौजूद कुछ क्वालिटीज के बारे में जरूर जान लेना चाहिए।

जिंदगी में बहुत जरूरी हैं ऐसे दोस्त

जिंदगी में अच्छे दोस्तों की अहमियत बहुत ज्यादा है, क्योंकि हम जो कुछ भी हैं अपने आस-पास के लोगों, अपनी संगत और माहौल की वजह से ही हैं। हमारे सपने, लक्ष्य, सोचने और काम करने का तरीका, रहन-सहन और जीने का अंदाज बहुत कुछ उन्हीं लोगों से प्रभावित होता है, जिनके साथ हम अपना ज्यादातर वक्त बिताते हैं। इसे मनोविज्ञानी लॉ ऑफ अट्रैक्शन कहते हैं। अमेरिकी व्यवसायी जिम रॉन ने कहा है कि आप उन 5 लोगों का एवरेज होते हैं, जिनके साथ आप हमेशा रहते हैं। इसलिए दोस्त बनाने में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।

जो देते हैं स्मार्ट सोशल सपोर्ट: हम जो कुछ करते हैं, उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बहुत सारे लोगों का इंवॉल्वमेंट होता है। पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल लाइफ, अपने आर्थिक, मानसिक, सामाजिक और शारीरिक हितों के लिए हमें कुछ लोगों पर निर्भर होना पड़ता है, अच्छे दोस्त यह जरूरत पूरी करते हैं।

जो ज्यादा समझदार हों: महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने कहा था, 'अगर आप अपने इनर सर्किल में सबसे स्मार्ट या बुद्धिमान व्यक्ति हैं तो आप एक गलत सर्किल में रह रहे हैं।' कहने का तात्पर्य यह है कि आपको खुद से ज्यादा सफल, सक्षम, समझदार और प्रतिष्ठित दोस्तों के बीच रहना चाहिए। इसलिए आप ऐसे लोगों को दोस्ती के लिए चुनें, जो आपकी सफलता और मानसिक सुकून में आपके साथी बन सकें।

जिनका साथ अच्छा लगे: मानसिक बीमारियों के प्रबल वर्तमान दौर में मन का सुकून बड़ी दुर्लभ चीज हो गई है। अधिकांश इंसान दुश्चिंता और अवसाद से घिरे रहते हैं। ऐसे में जिन लोगों के बीच रहकर आपको मानसिक सुकून मिलता हो, जिनके साथ हंसी-मजाक का दौर चलता हो, उन्हें अपनी जिंदगी का हिस्सा जरूर बनाएं।

जिनकी उपस्थिति में सहज महसूस करें: ऐसे दोस्त जिनकी उपस्थिति में आप सहज महसूस करें और अपने मन की बातें बिना लाग लपेट के खुलकर कह सकें, उनको साथ रखना चाहिए। ये ऐसे लोग होते हैं, जिनके कुछ कहने पर आपका ईगो हर्ट नहीं होता और आप कुछ कह दें तो ये भी दिल पर नहीं लेते। ये शॉक एब्जॉर्बर करने वाले लोग, जिनकी आपको जरूरत होती है।

जो बुरे वक्त में साथ खड़े रहते हों: हर व्यक्ति की जिंदगी में दो चार दोस्त ऐसे जरूर होने चाहिए, जो बुरे वक्त में उसके साथ खड़े रह सकें। बीमारी की स्थिति में सही डॉक्टर या अस्पताल तक पहुंचाना और तीमारदारी, दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने वाला और आर्थिक मुसीबत के वक्त पैसों की मदद करने वाले लोग निहायत जरूरी हैं। आपको भी ऐसे लोगों से अपने रिश्ते प्रगाढ़ रखने चाहिए।

जो आत्मविश्वास बढ़ाते हों: आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करना चाहते हैं, कोई नया बिजनेस करना चाहते हैं या चैलेंजिंग जॉब ज्वाइन करना चाहते हैं तो शुरू-शुरू में हिचक रहती है। ऐसे में आप असफल लोगों से राय मांगेंगे तो वे आप को हतोत्साहित कर देंगे। वहीं सकारात्मक स्वभाव के दोस्त आपका आत्मविश्वास बढ़ाएंगे, पॉजिटिव सजेशन देंगे और आपको प्रेरणा देंगे। ऐसे लोगों से मेल मिलाप अवश्य रखें।

जो आपसे ईर्ष्या ना करते हों: कुछ लोग अपने इर्द-गिर्द वालों की तरक्की, खुशहाली और सुकून नहीं देख सकते। ये ईर्ष्यालु होते हैं और मौका मिलते ही टांग खींचते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करने से दूर रहें। जो लोग आपकी सफलता को सराहते हैं और आपसे प्रेरणा या सलाह लेना चाहते हैं, उन्हें अवश्य अपने सर्किल में रखें। इनसे आप जीवन में कभी खुद को अकेला महसूस नहीं करेंगे। *

दोहे / राजश्री राठी

बरखा नर्तन करे

झंकृत वीणा हृदय की छेड़ रही अनुराग।
बरखा नर्तन यूं करे जैसे पद में राग।।
नैन बाट जोहत रहे भर-भर कर मनुहार।
बरखा का स्वागत करे हृदय कुसुम बन हार।।
बरखा छम-छम यूं करे ज्यूं पायल झनकार।
दुल्हन रूप धरा लिए सज सोलह सिंगार।।
गरजे घन-घन मेघ जब करते बंद किवाड़।
बैरन सी बरखा हुई मन को रही बिगाड़।।
बादरवा घनन गरजे मन मोरा घबराय।
पिया रहे परदेस में नैन नेह बरसाय।।
छम-छम बरखा जो हुई मन मे भरी उमंग।
आसमान में उड़ रही जैसे कोई पतंग।।

कहानी
विनय कुमार पाठक

राखी का तोहफा

बेईमानों से भरी इस दुनिया में भी बहुत से ऐसे ईमानदार हैं, जिनका मन विपन्नता में भी किसी के पड़े बैग में ढेर सारे पैसे देखकर भी नहीं डगमगाता। ऐसे ही एक कबाड़ बटोरने वाले गरीब इंसान की दिल को छूती कहानी।

एआई इमेज

राजेंद्र एक कबाड़ बीनने वाला है, वह रोज की तरह रेलवे स्टेशन पर कचरे के ढेर में अपने काम की चीजें तलाश रहा था। उसकी नजरें बेहद सतर्क थीं-प्लास्टिक की बोतलें, टीन के डिब्बे और अपने काम की अन्य चीजे, उसकी निगाहें तलाश रही थीं। इन्हें वह कबाड़ी को बेचकर कुछ पैसे कमा लेता था। उसने अपनी बोरी में ऐसी कई चीजें भर रखी थीं, लेकिन वह कुछ और सामान बटोरना चाह रहा था।

तभी राजेंद्र की नजर दूर पड़े एक भूरे रंग के हैंडबैग पर पड़ी। 'शायद किसी अमीर आदमी ने यूं ही फेंक दिया होगा।' राजेंद्र ने सोचा। उसे मालूम है, जो चीजें अमीरों के लिए बेकार होती हैं, वही किसी गरीब के लिए बहुत काम की होती हैं। उसे पहले भी कूड़े से एक जोड़ी अच्छे जूते मिले थे, जिसे वह खुद इस्तेमाल कर रहा था। यह बैग उसे कुछ ऐसा ही अवसर लग रहा था।

तेजी से चलकर राजेंद्र उस बैग तक पहुंचा। सौभाग्य से आस-पास कोई और रद्दी बीनने वाला नहीं था। बैग अच्छी हालत में था। बस उसका हैंडल टूटा हुआ था, जिसे कोई मोची आसानी से ठीक कर सकता था। राजेंद्र ने इधर-उधर देखा कि कोई देख तो नहीं रहा, फिर बैग के बीच वाला चेंबर खोला। अंदर देखा तो उसके होश उड़ गए-उसमें पांच सौ के नोटों की एक मोटी गड्डी थी। साथ ही एक क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड भी रखा दिखा।

यह अप्रत्याशित दौलत देखकर राजेंद्र के मन में खुशी की लहर दौड़ गई। लेकिन दूसरे ही पल उसे अहसास हुआ कि कार्ड उसके किसी काम के नहीं हैं। राजेंद्र ने सुना था कि किसी और के कार्ड इस्तेमाल करने पर जेल हो सकती है। हो सकता है, यहां कहीं लगा सीसीटीवी कैमरा यह सब कवर कर रहा हो। उसका बेवजह फंसने का कोई इरादा नहीं था। एकाएक राजेंद्र के दिमाग में आया, हो सकता है इस बैग के मालिक को पैसों की बहुत जरूरत हो, दवाई या किसी और जरूरी काम के लिए। अपने मन के बोझ को दूर करने के लिए वह सीधे रेलवे स्टेशन जा पहुंचा। स्टेशन मास्टर के केबिन में जाकर बोला, 'साहब, यह बैग मुझे रेलवे ट्रैक के पास मिला था, जब मैं कबाड़ बीन रहा था।'

'ठीक है, जाकर उधर एक किनारे बैठ जाओ।' स्टेशन मास्टर ने कहा। वहां रूम में एक व्यक्ति बैठा हुआ था। वह चिंतित दिख रहा था।

'मिस्टर अजय, शायद यही वह बैग है, जिसकी आप तलाश कर रहे थे।' स्टेशन मास्टर ने उस व्यक्ति से पूछा।

'संभव है, मेरी कुलीग मीनाक्षी ने बताया था कि उसका ब्राउन बैग खो गया है। इसका डिटेल इससे मेल खाता है। उसमें आईडेंटिटी कार्ड, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और आज की सैलरी थी।' अजय ने जवाब दिया और राजेंद्र को थोड़ा संदेह की नजर से देखा।

'हां, इसमें पांच सौ के नोटों की मोटी गड्डी और दो कार्ड हैं।' राजेंद्र ने बताया।

'हमें इसकी पुष्टि करनी होगी।' स्टेशन मास्टर ने कहा और बैग खोलकर देखा। अंदर मीनाक्षी माथुर का ऑफिस पहचान पत्र और दोनों कार्ड मौजूद थे। नाम कार्ड पर स्पष्ट लिखा हुआ था।

'अजय जी, प्लीज मीनाक्षी जी को तुरंत फोन करें और बताएं कि उनका बैग मिल गया है, मेरे पास सुरक्षित है। आधार, वोटर कार्ड या पैन कार्ड लेकर आएं और सत्यापन करवा लें।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

अजय ने तुरंत मीनाक्षी को कॉल किया। वह पहले से ही बहुत परेशान थी। कॉल उठाते ही बोली, 'मैं अभी आ रही हूं। आधे घंटे में पहुंच जाऊंगी। प्लीज उस सज्जन को रोकिए, जिन्होंने बैग लौटाया है। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहूंगी। मेरे लिए यह पैसा बहुत जरूरी है।'

'सर, अब मैं जा सकता हूं?' राजेंद्र ने पूछा।

'हां, आप जा सकते हैं। आपकी ईमानदारी सराहनीय है। रेलवे प्रशासन को मैं आपके लिए पुरस्कार की सिफारिश करूंगा। आप अपना नाम और पता नोट करवा दीजिए।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

'भाई साहब, जरा रुक जाइए। बैग की मालकिन आने ही वाली हैं, वो आपको व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देना चाहती हैं।' अजय ने आग्रहपूर्वक कहा।

'ठीक है।' राजेंद्र ने कहा और अपना बोरा किनारे रखकर बैठ गया। करीब पैंतालीस-पचास मिनट बाद मीनाक्षी पहुंची, थोड़ी हांफती हुई।

'माफ कीजिए, ट्रैफिक बहुत था, इसलिए देर हो गई।' मीनाक्षी ने कहा। फिर अपना आधार कार्ड देकर प्रक्रिया पूरी की। स्टेशन मास्टर ने उसे बैग सौंप दिया।

'भाई साहब, मैं आपकी ईमानदारी के लिए आपको दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। आज मेरी सैलरी मिली थी, वह कुछ ही घंटों में गुम हो गई। भीड़ में ट्रेन से उतरते समय हैंडल टूट गया था। ढूंढने की बहुत कोशिश की, लेकिन नहीं मिला। मैं आपको कुछ देना चाहती हूं, इसलिए देर हो गई। क्या आपको पता है कि आज रक्षा बंधन है?' मीनाक्षी ने अपने पर्स से एक राखी निकाली और मुस्कुरा दी। राजेंद्र ने बिना झिझक अपना हाथ बढ़ा दिया। मीनाक्षी ने पूरे स्नेह से उसे राखी बांधी। राजेंद्र ने अपनी फटी हुई जेब से एक छोटा पर्स निकाला। उसमें केवल दस रुपए का एक नोट था। उसने उस नोट को निकाला और कहा, 'मेरे पास बस यही है।' 'भैया, आपको कुछ भी देने की जरूरत नहीं है। आपकी ईमानदारी ही मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा है।' मीनाक्षी ने कहा और अपने बैग की ओर इशारा किया, आगे बोली, 'मैं मिठाई नहीं ला पाई तो कृपया ये पैसे रख लीजिए। अपने लिए मिठाई खरीद लीजिएगा।' उसने बैग से पांच सौ के दो नोट निकाले और राजेंद्र को सौंप दिए।

राजेंद्र थोड़ा झिझका, लेकिन स्टेशन मास्टर और अजय ने उसे कहा, 'यह पैसा स्वेच्छा से दे रही हैं, इसे लेने में कोई बुराई नहीं है।' अंततः राजेंद्र ने पैसे ले लिए और कमरे से बाहर निकल गया।

'आज भी ऐसे नेक लोग हैं दुनिया में।' मीनाक्षी ने अजय से कहा। वह राजेंद्र को जाते हुए तब तक देखती रही, जब तक नजरों से ओझल नहीं हो गया। *